कंचन उजाला

हिन्दी दैनिक

RNI No : UPHIN/2019/79194

कंचन उजाला

लखनऊ से प्रकाशित | सच्चाई के साथ | WWW.Kanchanujala.in | kanchanujalalko@gmail.com

वर्षः 02 अंक : 167 | लखनऊ, शनिवार, 12 जून, 2021 | पृष्ठ- 6 | मूल्य - 1 रुपये

शशांक घोष की नेटफ्लिक्स की फिल्म से डिजिटल डेब्यू करेंगे रितेश देशमुख

यूपी में मंत्रिमंडल विस्तार की अटकलों के बीच दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी से मिले योगी

नयी दिल्ली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से 7, लोक कल्याण मार्ग स्थित उनके आधिकारिक आवास पर मुलाकात की। सवा घंटे से अधिक समय की मुलाकात के बाद प्रधानमंत्री आवास से बाहर निकले मुख्यमंत्री योगी ने पत्रकारों से कोई संवाद नहीं किया और सीधे भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से मिलने उनके आवास की ओर निकल गए। 2 दिवसीय दौरे पर दिल्ली आए योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी और विभिन्न मुद्दों पर उनसे तकरीबन डेढ़ घंटे चर्चा की थी। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, नड्डा से मुलाकात के बाद योगी राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से मुलाकात करेंगे। अभी कुछ दिन पहले ही भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) बीएल संतोष और पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रभारी राधामोहन सिंह ने लखनऊ का दौरा किया था और अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी की तैयारियों की समीक्षा की थी।

दोनों नेताओं ने इस दौरान राज्य सरकार के मंत्रियों, विधायकों और संगठन के प्रमुख पदाधिकारियों से अलग-अलग मुलाकात की थी। इसके बाद योगी आदित्यनाथ के अचानक दिल्ली पहुंचने और उनकी इन मुलाकातों के दौर को भाजपा की, उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारियों के रूप में देखा जा रहा है। साथ ही राज्य में मंत्रिमंडल विस्तार की संभावनाओं से भी इसे जोड़कर देखा जा रहा है।

जेपी नड्डा से मिले मुख्यमंत्री योगी

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी आकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संग मिलने के बाद भाजपा प्रमुख जेपी नड्डा से मुलाकात की। इस एक घंटे की बैठक में आदित्यनाथ ने मोदी को यूपी की राजनीतिक स्थिति और कोरोना की दूसरी लहर को रोकने के लिए उठाए जा रहे कदमों से अवगत कराया। बाद में मुख्यमंत्री ने अगले साल के राज्य विधानसभा चुनावों की तैयारी और रणनीति पर चर्चा करने के लिए नड्डा से उनके आवास पर मुलाकात की। सूत्रों ने कहा कि आदित्यनाथ ने भाजपा प्रमुख के साथ अपनी बैठक में कोविड प्रबंधन, टीकाकरण, राजनीतिक स्थिति, राज्य के पश्चिमी हिस्से में किसानों के विरोध के प्रभाव और कैबिनेट फेरबदल पर चर्चा की। सूत्रों ने कहा, यूपी में पार्टी के संगठनात्मक ढांचे में किसी भी बदलाव के लिए नड्डा की मंजूरी जरूरी है। संगठन और सरकार में बदलाव पर नड्डा और आदित्यनाथ के बीच चर्चा हुई। गुरुवार को योगी आदित्यनाथ ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी, जिसमें राजनीतिक स्थिति और भगवा पार्टी की तैयारी के अलावा, हाल के पंचायत चुनावों में भाजपा के प्रदर्शन पर भी चर्चा की गई।

भाजपा को बड़ा झटका, मुकुल रॉय और उनके बेटे शुभ्रांशु तृणमूल में हुए शामिल

कोलकाता, एजेंसी। बंगाल में विधानसभा चुनाव के बाद शुक्रवार को भाजपा को एक बड़ा झटका लगा। राज्य में भाजपा के बड़े नेता व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मुकुल रॉय भाजपा का साथ छोड़कर वापस तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में शामिल हो गए। मुख्यमंत्री व तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी की उपस्थिति में कोलकाता स्थित तृणमूल भवन में उन्होंने पार्टी का दामन थामा। ममता ने पार्टी का झंडा देकर उनका स्वागत किया। मुकुल के साथ उनके बेटे व पूर्व विधायक शुभ्रांशु रॉय भी तृणमूल में शामिल हो गए। दरअसल, चुनाव नतीजों के बाद से ही मुकुल व उनके बेटे के तृणमूल में घर वापसी की लगातार अटकलें चल रही थी। वे दोनों पिछले कुछ समय से भाजपा से दूरी बनाकर चल रहे थे। आखिरकार तमाम अटकलों पर विराम लगाते हुए उन्होंने तृणमूल में वापसी कर ली। गौरतलब है कि मुकुल, तृणमूल कांग्रेस के संस्थापक सदस्यों में से रहे हैं। एक समय मुकुल, ममता बनर्जी के सबसे खास माने जाते थे। हालांकि, मतभेद के बाद सितंबर 2017 में उन्होंने तृणमूल से इस्तीफा दे दिया था और नवंबर, 2017 में उन्होंने भाजपा का झंडा थाम लिया था। मुकुल को इस बार विधानसभा चुनाव में भाजपा ने नदिया के कृष्णानगर उत्तर विधानसभा सीट से चुनाव मैदान में भी उतारा था और उन्होंने जीत भी दर्ज की। हालांकि उनके बेटे शुभ्रांशु इस बार बीजपुर से चुनाव हार गए। इधर, तृणमूल में शामिल होने से पहले मुकुल और ममता बनर्जी के बीच तृणमूल भवन में दोपहर लंबी बैठक हुई। इस बैठक में ममता बनर्जी के भतीजे सांसद व हाल में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव नियुक्त किए गए अभिषेक बनर्जी भी मौजूद रहेंगे। गौरतलब है कि इस वक्त भाजपा में ऐसे कई नेता हैं, जो टीएमसी में लौटने की तैयारी कर रहे हैं।

भूस्खलन के कारण श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात रुका

श्रीनगर, एजेंसी। केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में कश्मीर घाटी को देश के अन्य हिस्सों से जोड़ने वाले 270 किलोमीटर लंबे श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग पर भूस्खलन के कारण शुक्रवार को यातायात रोक दिया गया। इस बीच राष्ट्रीय राजमार्ग, केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को कश्मीर घाटी से जोड़ने वाला 86 किलोमीटर लंबा ऐतिहासिक मुगल रोड और अनंतनाग-किश्तवाड़ मार्ग यातायात के लिए खुला है। यातायात पुलिस के एक अधिकारी ने आज बताया कि सुबह रामबन में भूस्खलन के कारण राजमार्ग पर यातायात बाधित हो गया था। उन्होंने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने मार्ग से भूस्खलन के मलबे को हटाने के लिए मशीनों और लोगों को काम पर लगाया है। उन्होंने कहा कि यातायात को सुचारू होने में कई घंटे का समय लग सकता हैं। इस दौरान यात्रियों को लेकर जा रहे वाहनों सहित सैकड़ों वाहन राजमार्ग के दोनों ओर फंसे हुए है। उन्होंने कहा कि एनएचएआई और राजमार्ग पर विभिन्न स्थानों पर तैनात यातायात पुलिस कर्मियों से हरी झंडी मिलने के बाद ही यातायात बहाल किया जायेगा। श्रीनगर और जम्मू दोनों तरफसे आज हल्के मोटर वाहनों को गुजरने की अनुमति दी गई है। उन्होंने कहा कि भारी मोटर वाहन काजीगुंड से जम्मू की ओर से जायेंगे। सुरक्षा बल श्रीनगर से जम्मू तक जा सकेंगे। अधिकारी ने कहा कि आज श्रीनगर से लद्दाख के लिए एकतरफा यातायात जारी रहेगा। हालांकि वाहनों को मध्य कश्मीर जिले के गांदेरबल में सोनमर्ग को 0700 बजे से 1500 बजे के बीच पार करना होगा।

बिना किसी बहाने के तुरंत एक राष्ट्र-एक राशन कार्ड लागू करें बंगाल सरकारः सुप्रीम कोर्ट

नयी दिल्ली, एजेंसी। जिनके पास एक राष्ट्र-एक राशन कार्ड होगा उन्हें किसी दूसरे राज्य में जाकर अलग से राशन कार्ड बनवाने की जरूरत नहीं होगी। पिछले ही दिनों प्रधानमंत्री ने एक बड़ी घोषणा करते हुए कहा था कि सरकार ने फैसला लिया है कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना को अब दीपावली तक आगे बढ़ाया जाएगा। एक राष्ट्र और एक राशन कार्ड को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार को बढ़ा निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार से बिना किसी बहाने के तुरंत एक राष्ट्र-एक राशन कार्ड लागू करने को कहा है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आप एक या दूसरी समस्या का हवाला नहीं दे सकते। यह प्रवासी श्रमिकों के लिए है। आपको बता दें कि एक देश-एक राशन कार्ड दिल्ली, असम और पश्चिम बंगाल को छोड़कर बाकी सभी राज्यों में लागू है। गौरतलब है कि जिनके पास एक राष्ट्र-एक राशन कार्ड होगा।

देश में कोविड-19 के 91,702 नये केस

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारत में लगातार चौथे दिन 24 घंटे में कोविड-19 के एक लाख से कम 91,702 नए मामले सामने आए, जिससे देश में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 2,92,74,823 हो गई है। नमूनों के संक्रमित आने की दैनिक दर भी कम होकर 4.49 प्रतिशत हो गई है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से शुक्रवार जारी किए आंकड़ों के अनुसार, देश में 3,403 और लोगों की वायरस के संक्रमण से मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर 3,63,079 हो गई। उपचाराधीन मरीजों की संख्या भी कम होकर 11,21,671 हो गई है, जो कुल मामलों का 3.83 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटे में उपचाराधीन मामलों में कुल 46,281 की कमी आई है। आंकड़ों के अनुसार, देश में पिछले 24 घंटे में जिन 3,403 लोगों की मौत हुई, उनमें से महाराष्ट्र के 1,915, तमिलनाडु के 358 और कर्नाटक तथा केरल के 194-194 लोग थे।

राज्यों के पास कोविड रोधी टीकों की 1.17 करोड़ से अधिक खुराक अब भी उपलब्धः केंद्र

नयी दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों के पास कोविड-19 रोधी टीके की 1.17 करोड़ से अधिक खुराकें उपलब्ध हैं जबकि अगले तीन दिन के भीतर उन्हें 38 लाख अधिक खुराकें और दी जाएंगी। मंत्रालय ने बताया कि अब तक राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों को 25.60 करोड़ से अधिक खुराकें दी गई हैं। ये खुराकें उन्हें भारत सरकार की ओर से निःशुल्क तथा राज्यों द्वारा सीधे खरीद की श्रेणी में दी गई हैं। मंत्रालय ने बताया कि कुल 24,44,06,096 खुराकों (बर्बाद हुए टीकों समेत) का इस्तेमाल हुआ है। उसने बताया, ''राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों के पास कोविड-19 रोधी टीकों की कुल 1,17,56,911 खुराक अब भी मौजूद हैं। इसके अलावा, अगले तीन दिन में और 38,21,170 खुराकें उन्हें उपलब्ध करवाई जाएंगी।

प्रवर्तन निदेशालय ने टीआरएस सांसद नागेश्वर राव के कार्यालयों पर छापे मारे

हैदराबाद, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों ने तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) सासंद एन नागेश्वर राव से जुड़े मधुकोन ग्रुप के कुछ कार्यालयों पर शुक्रवार को छापे मारे। सूत्रों ने बताया कि ये छापेमारी मधुकोन ग्रुप की कंपनी रांची एक्सप्रेस वे लिमिटेड की निधि को कथित तौर पर दूसरे कार्यों में इस्तेमाल करने से संबंधित है। सूत्रों ने बताया कि ये छापे जुबिली हिल्स में मधुकोन के कार्यालयों और कुछ निदेशकों के घरों पर मारे गए। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई)ने मार्च 2020 में रांची एक्सप्रेस वे लिमिटेड के सीएमडी के श्रीनिवास राव समेत इसके प्रवर्तकों के खिलाफमुकदमा दर्ज किया था। रांची एक्सप्रेसवे लिमिटेड को 2011 में मधुकोन इंफ्रा लिमिटेड और मधुकोन प्रोजेक्ट्स लिमिटेड द्वारा प्रवर्तित विशेष प्रयोजन वाहन के तौर पर शामिल किया गया था।

सच से, सवालों से, कार्टून से-वह सब से डरता हैः राहुल गांधी

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी तथा पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने शुक्रवार को कहा है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार डीजल पेट्रोल के दाम बढ़ाकर देश को लूट रही है और ढहती अर्थव्यवस्था, आसमान छूती महंगाई और रिकॉर्ड स्तर पर पहुंची बेरोजगारी को रोकने के लिए कदम नहीं उठा रही है। कांग्रेस नेताओं ने 'भारत को लूट रही है भाजपा' अभियान के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी निशाना साधा और कहा कि वह सच बोलने, सवाल पूछने और आलोचना से डरते हैं। उनके नेतृत्व वाली सरकार में हो रही लूट से देश मुश्किल हालात में पहुंच गया है लेकिन इसकी उन्हें कोई परवाह नहीं है। राहुल गांधी ने ट्वीट किया, सच से, सवालों से, कार्टून से- वह सब से डरता है। एक अन्य ट्वीट में उन्होंने कहा कि देश की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) धराशाई हो रही है, बेरोजगारी चरम पर है, ईंधन की कीमतें आसमान छू रही है। और कितने तरीके से भाजपा देश को लूटेगी। प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि महामारी के दौरान मोदी सरकार ने पेट्रोल-डीजल पर 2.74 लाख करोड़ रुपए के टैक्स वसूले। इस पैसे से क्या मिल सकता था-पूरे भारत को वैक्सीन (67000 करोड़), 718 जिलों में ऑक्सीजन प्लांट, 29 राज्यों में एम्स अस्पताल और 25 करोड़ गरीबों को 6000 रुपए की मदद, मगर मिला कुछ भी नहीं।

मैं पायलट जी से नियमित रूप से बात कर रहा हूं, वो नाराज नहीं हैंः अजय माकन

नई दिल्ली, एजेंसी। जितिन प्रसाद के जाने के बाद राजस्थान में कांग्रेस डैमेज कंट्रोल मोड में है। कांग्रेस नेता सचिन पायलट की नाराजगी को लेकर पूछे जाने पर राजस्थान कांग्रेस प्रभारी अजय माकन ने कहा, मैं पायलट जी से नियमित रूप से बात कर रहा हूं। अगर वह नाराज होते, तो मुझसे बात नहीं करते।ष् ये टिप्पणियां राजस्थान कांग्रेस प्रभारी अजय माकन ने दिल्ली में ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी के खिलाफविरोध प्रदर्शन करते हुए की। राजस्थान कैबिनेट में रिक्तियों के बारे में पूछे जाने पर माकन ने कहा, कैबिनेट, बोर्ड और आयोगों में रिक्त पदों को जल्द ही भरा जाएगा और हम सभी के साथ बातचीत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अन्य सभी लंबित मुद्दों को भी उठाया जाएगा। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में राजस्थान कैबिनेट में रिक्त पदों को भरने के लिए भी पूरी तरह से तैयार है। इसके साथ ही भविष्य में पार्टी कई लंबित मुद्दों को भी उठाएगी।

सत्ता में बैठे लोगों की आलोचना करना प्रत्येक नागरिक का अधिकारः उमर अब्दुल्ला

श्रीनगर, एजेंसी। नेशनल कांफ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार को कहा लोकतंत्र में सत्ता में बैठे लोगों की आलोचना की करना प्रत्येक नागरिक का अधिकार है और आलोचना बर्दाश्त न करने वाले नेताओं को पुरातन कानून के पीछे छिपना बंद करना चाहिये। अब्दुल्ला का यह बयान एक भाजपा नेता की शिकायत पर लक्षद्वीप पुलिस द्वारा फिल्मकार आयशा सुल्ताना के खिलाफ राजद्रोह का मामला दर्ज किये जाने के एक दिन बाद आया है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि सुल्ताना ने टीवी परिचर्चा के दौरान केन्द्र शासित प्रदेश लक्षद्वीप में कोविड-19 के फैलने को लेकर झूठी खबर फैलाई। अब्दुल्ला ने ट्वीट किया, पटेल (लक्षद्वीप के प्रशासक प्रफुल्ल पटेल) की आलोचना राजद्रोह के समान नहीं है। लोकतंत्र में, सत्ता में बैठे लोगों की आलोचना करना प्रत्येक नागरिक का अधिकार है। आलोचना बर्दाश्त नहीं करने वाले नेताओं को पुरातन कानून के पीछे छिपना बंद करना चाहिये। लक्षद्वीप में प्रशासन द्वारा कुछ सुधारवादी कदम उठाए जाने के बाद से विभिन्न राजनीतिक दलों की ओर से विरोध किया जा रहा है।

जीतन राम मांझी से मिलने पहुंचे लालू के बेटे तेज प्रताप, बिहार में सियासी हलचल तेज

पटना, एजेंसी। बिहार के पूर्व सीएम जीतन राम मांझी से उनके आवास पर राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव मिलने पहुंचे हैं. दोनों नेताओं के बीच बंद कमरे में बातचीत हो रही है. वहीं मांझी और तेज प्रताप के बीच मुलाकात के बाद सियासी हलचल तेज हो गई है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार लालू यादव के बड़े बेटे और हसनपुर सीट से विधायक तेज प्रताप यादव अब से कुछ देर पहले हम प्रमुख और पूर्व सीएम जीतन राम मांझी से मिलने उनके सरकारी आवास पर पहुंचे हैं, जहां दोनों नेताओं के बीच बंद कमरे में बातचीत हो रही है. वहीं अब दोनों दलों की ओर से इसपर कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है. वहीं मुलाकात से पहले तेज प्रताप यादव ने बड़ा बयान दिया. उन्होंने कहा कि जिनका-जिनका मन डोल रहा है, वो हमारे साथ आ जाएं. राजद विधायक ने आगे कहा कि मांझी जी अगर पार्टी के साथ आना चाहते हैं तो, उनका स्वागत है। इससे पहले जीतन राम मांझी ने ट्वीट कर लालू यादव को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी. मांझी ने लिखा, बिहार के पुर्व मुख्यमंत्री आदरणीय लालू यादव को उनके जन्मदिन की अनंत शुभकामनाएँ. आप दीर्घायु हों, सदैव मुस्कुराते रहें ईश्वर से यही कामना है। मांझी ने इसके बाद एक और ट्वीट किया और जातिगत जनगणना की मांग की. मांझी ने कहा, वर्तमान स्थिति में देश की जनगणना आवश्यक है, परन्तु कोरोना के कारण जनगणना कार्य को रोककर रखा गया है. देश में जब चुनाव हो सकतें हैं तो जनगणना से परहेज क्यों? भारत सरकार से अनुरोध है कि 10 वर्षीय जनगणना के साथ-साथ जाति आधारित जनगणना अविलंब शुरू किया जाए।

पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतों पर भाजपा सरकार को घेरने उतरी कांग्रेस

दिग्विजय सिंह समेत 30 लोगों पर मामला दर्ज

भोपाल, एजेंसी। पेट्रोल डीजल की बढ़ती कीमतों को देखते हुए कांग्रेस ने मोर्चा खोल दिया है। कांग्रेस ने शुक्रवार को देशभर में पेट्रोल पंपों के बाहर जमकर प्रदर्शन की ठानी। पार्टी कार्यकर्ताओं सहित पार्टी के बड़े नेताओं ने भी इस प्रदर्शन में जोर लगाया। वहीं, प्रदर्शन कर रहे कई नेताओं पर मामला भी दर्ज हो गया है।

भोपाल में धरना प्रदर्शन दिए पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह, पूर्व मंत्री पीसी शर्मा, कांग्रेस जिला अध्यक्ष कैलाश मिश्रा सहित 30 लोगो पर मामला दर्ज कर लिया गया है। एएसपी अंकित जयसवाल ने बताया है कि कांग्रेस के नेता पेट्रोल, डीजल की बढ़ती मांगों को लेकर पेट्रोल पंप पर प्रदर्शन कर रहे थे। सभी पर आईपीसी धारा 188 और 145 के तहत मामला दर्ज किया गया है। भोपाल में कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने प्रदर्शन के दौरान कहा कि उत्पाद शुल्क में कटौती करके ईंधन की कीमतों में कम से कम 25 रुपये की कटौती की जा सकती है। वे लोग कहां हैं जो कभी ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर यूपीए सरकार की आलोचना करते थे? ईंधन की बढ़ती कीमतों के साथ उपभोक्ता सामान भी महंगा हो रहा है। बता दें कि बीते दिनों कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने बताया था कि पार्टी पेट्रोल और डीजलों की कीमतों में बढ़ोतरी के खिलाफ 11 जून को विभिन्न पेट्रोल पंपों के बाहर सांकेतिक प्रदर्शन करेगी। इस प्रदर्शन में उसके हजारों कार्यकर्ता भाग लेंगे। उन्होंने कहा था कि इस विरोध प्रदर्शन में कोरोना संबंधित दिशानिर्देशों का पालन किया जाएगा।

छत्रसाल स्टेडियम मामले में सुशील का एक और सहयोगी गिरफ्तार

नयी दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने छत्रसाल स्टेडियम में मारपीट के मामले में ओलंपिक पदक विजेता सुशील कुमार के एक और सहयोगी को गिरफ्तार किया है। मारपीट की घटना में एक पहलवान की मौत हो गयी थी और उसके दो दोस्त घायल हो गए थे। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि आरोपी अनिरूद्ध कथित मारपीट की घटना में शामिल था। उसे बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय राजधानी में गिरफ्तार किया गया। सुशील और उसके सहयोगियों ने पहलवान सागर धनखड़ और उसके दो दोस्तों सोनू तथा अमित कुमार से संपत्ति विवाद को लेकर चार और पांच मई की दरमियानी रात को मारपीट की थी। बाद में धनखड़ की मौत हो गयी थी। सुशील को सह आरोपी अजय कुमार के साथ 23 मई को दिल्ली के मुंडका इलाके से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि घटना के सिलसिले में अब तक 10 लोग गिरफ्तार किए जा चुके हैं।

असम सीएम के जनसंख्या नियंत्रण वाले बयान पर ओवैसी का पलटवार, यह हिंदुत्व बोल रहा है

नयी दिल्ली, एजेंसी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने मुस्लिमों को जनसंख्या नियंत्रण नीति अपनाने की सलाह दी। इसके बाद उनके इस सलाह को लेकर विवाद शुरू हो गया। एआईएमआईएम के अध्यक्ष और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने असम के मुख्यमंत्री पर निशाना साधा। ओवैसी ने साफऔर सीधे शब्दों में कहा कि यह हिंदुत्व बोल रहा है जो गरीब और शोषित लोगों पर आरोप लगा रहा। अपने ट्वीट में ओवैसी ने कहा कि हकीकत यह है कि असम पहले से ही टीएफआर यानी की टोटल फर्टिलिटी रेट में 2.1 पर आ चुका है जबकि राष्ट्र का टीएफआर 2.2 है। साधारण शब्दों में कहें तो यह जनसंख्या विस्फोट नहीं है।ओवैसी ने आगे सलाह देते हुए कहा कि सरकार को लिंग-चयनात्मक गर्भपात की बर्बर प्रथा के कारण विषम लिंगानुपात के बारे में चिंता करनी चाहिए। अनुमान के मुताबिक 2036 में असम का लिंगानुपात बिगड़ जाएगा और पुरुषों की संख्या काफी हो जाएगी। ओवैसी ने आगे कहा कि बुनियादी तौर पर लिंग विरोध वाली संस्कृति के खिलाफलड़ने की जरूरत है। आपको बता दें कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने बृहस्पतिवार को गरीबी कम करने के उद्देश्य से जनसंख्या नियंत्रण के लिए अल्पसंख्यक समुदाय से ''उचित परिवार नियोजन नीति'' अपनाने का अनुरोध किया।मुख्यमंत्री ने अपनी सरकार के 30 दिन पूरे होने के मौके पर कहा कि समुदाय में गरीबी कम करने में मदद के लिए सभी पक्षकारों को आगे आना चाहिए और सरकार का समर्थन करना चाहिए। गरीबी की वजह जनसंख्या में अनियंत्रित वृद्धि है। उन्होंने कहा, ''सरकार सभी गरीब लोगों की संरक्षक है लेकिन उसे जनसंख्या वृद्धि के मुद्दे से निपटने के लिए अल्पसंख्यक समुदाय के सहयोग की आवश्यकता है।

राजनाथ ने बीआरओ के दो उत्कृष्टता केंद्रों का उद्घाटन किया

नयी दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के दो उत्कृष्टता केंद्रों का उद्घाटन किया। बीआरओ की स्थापना सड़कों, पुलों, सुरंगों आदि के निर्माण को बढ़ावा देने के साथ ही सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए की गयी थी। अधिकारियों ने बताया कि एक उत्कृष्टता केंद्र देश के पूर्वी और पश्चिमोत्तर हिस्सों में लगभग 60,000 किलोमीटर सड़कों, 56,000 मीटर पुलों, 19 हवाई पट्टियों और चार सुरंगों के विकास के क्रम में बीआरओ को मिले अनुभव को संस्थागत रूप देगा। दोनों केंद्र राष्ट्रीय राजधानी में बीआरओ मुख्यालय में स्थापित किए गए हैं। रक्षा मंत्रालय ने कहा, ष्इन केंद्रों की स्थापना सड़क सुरक्षा के साथ-साथ सड़कों, पुलों, हवाई पट्टियों और सुरंगों के निर्माण में बढ़ावा देने में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए की गई है।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा डूबती हुई नैया है, हम सवार नहीं होंगे: ओमप्रकाश राजभर

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर अभी से शुरू हुई अटकलों के बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से सांसद अनुप्रिया पटेल और संजय निषाद ने मुलाकात की है। इसे लेकर यूपी की सियासत में अटकलें शुरू हो गयी। इस बीच, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने निशाना साधा और कहा, भाजपा डूबती हुई नैया है, जिसको इनके रथ पर सवार होना है हो जाए, पर हम सवार नहीं होंगे। ओमप्रकाश राजभर ने शुक्रवार को अपने ट्वीट में लिखा, भाजपा डूबती हुई नैया है,जिसको इनके रथ पर सवार होना है हो जाये पर हम सवार नहीं होंगे। जब चुनाव नजदीक आता है तब इनको पिछड़ो की याद आती है। जब मुख्यमंत्री बनाना होता है तो बाहर से लाकर बना देते हैं। हम जिन मुद्दों को लेकर समझौता किये थे, साढ़े चार साल बीत गया, एक भी काम पूरा नहीं हुआ। उन्होंने आगे लिखा, उ.प्र.में शिक्षक भर्ती में पिछड़ो का हक लुटा, पिछड़ों को हिस्सेदारी न देने वाली भाजपा किस मुंह से पिछड़ो के बीच मे वोट मांगने आएंगी? इनको सिर्फ वोट के लिए पिछड़ा याद आते है। हमने भागीदारी संकल्प मोर्चा बनाया है जो भी उप्र. में भाजपा को हराना चाहते हैं, हम उनसे गठबंधन करने को तैयार है। ज्ञात हो कि यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कल अचानक दो दिन के लिए दिल्ली पहुंचने के साथ ही यूपी के राजनीतिक गलियारों में अटलकों का बाजार गर्म हो गया। भाजपा के प्रदेश संगठन में बदलाव के साथ ही यूपी सरकार के मंत्रिमंडल में फेरबदल की सुगबुगाहट चल रही है। लिहाजा उनका यह दौरा काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अपना दल (एस) की अध्यक्ष और सांसद अनुप्रिया पटेल ने भी गृहमंत्री शाह से मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद से एक बार फिर राजनीतिक गलियारे में चर्चाएं शुरू हो गई हैं कि अनुप्रिया मोदी कैबिनेट में वापस शामिल हो सकती हैं। सूत्रों की मानें तो अनुप्रिया ने केंद्र के साथ उत्तर प्रदेश में भी संभावित मंत्रिमंडल विस्तार में अपना दल के प्रतिनिधित्व को लेकर अमित शाह से बात की। यूपी में जिला पंचायत अध्यक्ष और प्रदेश के निगम और आयोग में पार्टी नेताओं को शामिल करने के लिए कहा।

कोविड-19 व अन्य कारणों से मृत सरकारी कार्मिकों के आश्रितों के देयों आदि के भुगतान एवं अनुकम्पा नियुक्ति के प्रकरणों की समीक्षा

लखनऊ, संवादाता। उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव राजेन्द्र कुमार तिवारी की अध्यक्षता में कोविड-19 तथा अन्य कारणों से मृत सरकारी कार्मिकों के आश्रितों के देयों आदि के भुगतान एवं अनुकम्पा नियुक्ति के प्रकरणों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य सचिव ने कोविड-19 तथा अन्य कारणों से मृत सरकारी कार्मिकों के आश्रितों के देयों आदि के भुगतान एवं अनुकम्पा नियुक्ति के प्रकरणों की विभागवार समीक्षा करते हुये निर्देश दिये कि मृत सरकारी कार्मिकों के आश्रितों के देयों आदि के भुगतान एवं अनुकम्पा नियुक्ति के प्रकरणों का निस्तारण प्राथमिकता पर सुनिश्चित कराने के निर्देश दिये। इस कार्य में किसी भी स्तर पर शिथिलता पाये जाने पर सम्बन्धित की जिम्मेदारी नियत की जायेगी। बैठक में अपर मुख्य सचिव नियुक्ति एवं कार्मिक मुकुल सिंघल, अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी, अपर मुख्य सचिव नगर विकास डॉ0 रजनीश दुबे, अपर मुख्य सचिव सिंचाई टी0 वेंकटेश, अपर मुख्य सचिव माध्यमिक शिक्षा आराधना शुक्ला, अपर मुख्य सचिव राजस्व एवं बेसिक शिक्षा रेणुका कुमार, प्रमुख सचिव लोक निर्माण नितिन रमेश गोकर्ण, प्रमुख सचिव आवास दीपक कुमार सहित सम्बन्धित विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण आदि उपस्थित थे।

कोरोना काल में उद्यमियों को दिया दो गुना अधिक ऋण: नवनीत सहगल

लखनऊ, संवाददाता। पिछले एक साल से कोरोना महामारी के बाद भी एक जिला-एक उत्पाद (ओडीओपी) वित्त पोषण योजना के तहत सामान्य वर्ष की तुलना में दो गुना अधिक ऋण वितरित किए गए। इस दौरान हस्तशिल्पियों और उद्यमियों को करीब 380 करोड़ का ऋण उपलब्ध कराने के साथ ही 94.60 करोड़ रुपये की मार्जिन मनी भी उपलब्ध कराई गई। अपर मुख्य सचिव एमएसएमई डॉ. नवनीत सहगल ने बताया कि पिछले वित्तीय वर्ष में कोरोना का प्रकोप रहा। फिर भी रोजगार के अधिक अवसर सृजित करने और स्थापित इकाइयों की वित्तीय समस्याओं को दूर करने का प्रयास किया गया। इसके तहत ही वित्त पोषण योजना को ऑनलाइन करते हुए ऋ ण के लिए आवेदन मांगे गए थे। वित्तीय वर्ष 2019-20 में करीब 200 करोड़ धनराशि की परियोजनाओं का वित्त पोषण किया गया था। इसके सापेक्ष प्रदेश सरकार द्वारा 50.20 करोड़ रुपये की मार्जिन मनी विभिन्न उद्यमियों को उपलब्ध कराई गयी। अपर मुख्य सचिव ने बताया, ओडीओपी प्रशिक्षण एवं टूलकिट योजना के अंतर्गत पिछले वित्तीय वर्ष में 16 हजार के लक्ष्य के सापेक्ष शत-प्रतिशत हस्तशिल्पियों एवं कारीगरों को 10 दिवसीय निशुल्क प्रशिक्षण और निशुल्क टूल किट्स उपलब्ध कराई गई। लॉकडाउन के दौरान भी योजनाबद्ध तरीके से कार्य कराते हुए शत प्रतिशत प्रगति सुनिश्चित की गई।

जेवर एयरपोर्ट के लिए खाली होंगे सात गांव

लखनऊ, संवाददाता। नोएडा में जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए जमीन का रास्ता साफ हो गया है। जून के आखिर तक 7 और गांव खाली हो जाएंगे। इन गांव वालों को टाउनशिप में शिफ्ट किया जाएगा। अगस्त में एयरपोर्ट का भूमि पूजन होना है। पीएम नरेन्द्र मोदी मुख्य अतिथि तो यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ स्वागत करेंगे। सन 2024 में एयरपोर्ट से उड़ान शुरू हो जाएगी। मेंटेनेंस वर्कशॉप के चलते एयरपोर्ट पर रनवे की संख्या बढ़ा दी गई है। एसबीआई ने एयरपोर्ट के लिए 3725 करोड़ रुपये का ऋण दिया है। नोएडा फिल्म सिटी का फर्स्ट फेज भी एयरपोर्ट की पहली उड़ान के साथ ही तैयार हो जाएगा। हाल में एयरपोर्ट की विकासकर्ता कंपनी यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने 7 और गांवों की जमीन का अधिग्रहण किया है। इस महीने की 30 तारीख तक गांवों को पूरी तरह से खाली करा लिया जाएगा। सात गांव क्रमशः दयानतपुर खेड़ा, रोही, नगला शरीफ, नगला फूल खां, किशोरपुर, नगला छीतर और नगला गणेशी के ग्रामीणों के लिए टाउनशिप तैयार है। सभी को प्लाट दिये जा रहे हैं। 48 हेक्टेयर में यह टाउनशिप तैयार की गई है। सात गांवों की 1350 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण किया गया है।

पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन

यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू नजरबंद

लखनऊ, संवाददाता। देश में इन दिनों पेट्रोल-डीजल की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी के खिलाफ कांग्रेस ने मोर्चा खोल दिया है। इसी के खिलाफ आज उत्तर प्रदेश में भी कांग्रेस का प्रदर्शन है। कांग्रेस के प्रदर्शन की तैयारी के बीच में ही उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू को लखनऊ में उनके आवास में नजरबंद किया गया, लेकिन वह अपने सरकारी आवास के बाहर बाद में प्रदर्शन करने में सफल रहे। पेट्रोल-डीजल की बढ़ी कीमतों के खिलाफ कांग्रेस के देशव्यापी प्रदर्शन के अंतर्गत उत्तर प्रदेश में भी पार्टी के नेता सड़क पर उतरकर प्रदर्शन कर रहे हैं। लखनऊ के साथ ही प्रयागराज, मेरठ, आगरा, लखनऊ, कानपुर, वाराणसी तथा गोरखपुर के साथ अन्य शहरों में भी प्रदर्शन हो रहा है। हर जगह पर कांग्रेस के नेता भाजपा के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर रहे हैं। पेट्रोल-डीजल पेट्रोल के दामों के विरोध में मेरठ में प्रभारी बनकर आए मनोज त्यागी ने कांग्रेस के धरना को

सम्बोधित किया।लखनऊ में पेट्रोल और डीजल की महंगाई को लेकर प्रदर्शन से पहले उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू को उनके सरकारी आवास, बहुखंडी विधायक निवास में नजरबंद किया गया। लखनऊ में उनके अलावा कई कांग्रेस नेताओं को नजरबंद किया गया। इन सभी के घरों के बाहर बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स तैनात है।घर में नजरबंद अजय कुमार लल्लू ने ट्वीट करते कहा कि पेट्रोल और डीजल की महंगाई को लेकर देशव्यापी प्रदर्शन में जा रहे प्रदेश अध्यक्ष अजय लल्लू को तानाशाही सरकार ने प्रर्दशन से पहले ही नजरबंद कर दिया है। योगी जी पुलिस के दम पर सरकार चलाना बंद करो, चाहे जितनी पुलिस लगा लो जनता के हक की लड़ाई लड़ते रहेंगे। पुलिस उनको काफी देर नजरबंद रखने के बाद घर के बाहर ही प्रदर्शन करने से नहीं रोक सकी।

वनप्लस ने की भारत में वनप्लस टीवी यू1एस लॉन्च की घोषणा

लखनऊ,संवाददाता। ग्लोबल टैक्नोलॉजी ब्रैंड वनप्लस ने आज वनप्लस टीवी यू1एस लॉन्च करने की घोषणा की। जो कंपनी की स्मार्ट टीवी पोर्टफोलियो की नई पेशकश है। यह नई वनप्लस टीवी यू1एस 2020 में लॉन्च की गई वनप्लस टीवी यू सीरीज का ही विस्तार है। जो उपयोगकर्ताओं को प्रीमियम और इस्तेमाल करने योग्य कनेक्टेड इकोसिस्टम अनुभव उपलब्ध कराने के कंपनी के दृष्टिकोण को मजबूती देता है। नया स्मार्ट टीवी श्रेणी के लिहाज से सर्वश्रेष्ठ 4के सिनेमैटिक डिस्प्ले और इमर्सिव ऑडियो की सुविधा देता है। साथ ही लोगों को मिलती है खास तौर पर तैयार किए गए कॉन्टेंट की समृद्ध लाइब्रेरी इसमें अलग-अलग आकार की स्क्रीन के रेंज में प्रीमियम और बिना बेजल वाली डिजाइन मिलती है और इसके साथ ही उपयोगकर्ताओं को एडवांस्ड इंटरकनेक्टेड और इंटेलिजेंट अनुभव मिलता है। पेटे लाउ, संस्थापक एवं सीईओ, वनप्लस ने कहा भारत में वनप्लस स्मार्ट टीवी की शानदार शुरुआत के बाद हम अपने स्मार्ट टीवी पोर्टफोलियो में नए टीवी लॉन्च करने को लेकर बेहद उत्साहित हैं ताकि हम अपनी कम्युनिटी तक बेजोड़ स्मार्ट टीवी अनुभव पहुंचाते रहें। वनप्लस टीवी यू1एस अलग-अलग कीमतों के हिसाब से प्रीमियम क्वालिटी के उत्पादों की पेशकश कर बेहतरीन कनेक्टेड ईकोसिस्टम उपलब्ध कराने के हमारे दृष्टिकोण को नए सिरे से मजबूती देता है। वनप्लस टीवी यू1एस को आकर्षक कीमतों पर उपयोगकर्ताओं को प्रीमियम स्मार्ट टीवी का अनुभव देने के लिए डिजाइन किया गया है। यह 126 सेंटीमीटर (50ष), 139 सेंटीमीटर (55) और 164 सेंटीमीटर (65ष) के संस्करणों में उपलब्ध होगा।

आरएसएस के वरिष्ठ प्रचारक शम्भूनाथ का निधन

लखनऊ,संवाददाता। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक शम्भूनाथ का आज पीजीआई में निधन हो गया। वह विश्व हिन्दू परिषद में सक्रिय भूमिका निभा रहे थे और इन दिनों धर्माचार्यों से सम्पर्क करने का कार्य देख रहे थे। शम्भूनाथ की तबियत बिगड़ने के बाद उन्हें पीजीआई में भर्ती कराया गया था। आज सुबह 4.30 बजे के करीब उनका निधन हुआ। वह 71 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके थे। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से 1990 में शम्भूनाथ जी की योजना विश्व हिंदू परिषद में हुई थी और अशोक सिंघल जी के साथ आपने लंबा समय बिताया था। अयोध्या में रहते हुए धर्म आचार्यो से संपर्क का कार्य देख रहे थे। शम्भूनाथ के निधन की सूचना से संघ, विहिप, अभाविप के कार्यकर्ताओं सहित समाज में शोक की लहर दौड़ गयी। उनके मूल स्थान प्रयागराज रहा और वहां पर भी शोक का माहौल व्याप्त है।

रूठा है तो मना लेंगे, देके खिलौना बहला लेंगे

संगठन से सरकार तक हो सकताएडजस्टमेंट

लखनऊ,संवाददाता।विधानसभा चुनाव करीब आते ही बीजेपी एडजस्टमेंट पालिसी अपनाने की मुद्रा में आ रही है। भाजपा की चुनावी तैयारी शुरू है। लेकिन सब मिलकर मिशन फतेह-2022 पर दिल लगाकर जुटे इसलिए उनको तवज्जो भी देगे जो उन्हें शायद अब तक नहीं मिल पाई है। पार्टी कार्यकर्ताओं को सरकार से लेकर संगठन तक समायोजन सम्भव है। जो अपने हैं श्वोश् तो इंतजार में बैठे हैं लेकिन जो अब जोड़े जा रहे या जुड़ रहे वो तो पदविहीन नहीं रहने वाले हैं।अनेक पद सरकार से लेकर आयोगों, निगमों और पार्टी संगठन में खाली हैं। यह पद काम आयेंगे। रूठा है तो मना लेंगे देके खिलौना बहला लेंगे। पार्टी कार्यकर्ताओं को राज्य अल्पसंख्यक आयोग, अनुसूचित जाति आयोग, अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग सहित अन्य आयोगों, निगमों, बोर्डो और समितियों में नियुक्ति सम्भव है। पार्टी संगठन में मोर्चो, प्रकोष्ठों में नियुक्तियां की जाएंगी। रूलिंग पार्टी के पास देने पर आए तो बहुत कुछ होता है। आयोगों में अध्यक्ष पदों के लिए मंथन हो चुका है। चुनाव जीतना लक्ष्य है तो जातीय और क्षेत्रीय संतुलन भी बैठाना होगा। इसे संज्ञान में रखकर निगमों, बोर्डो, समितियों, निकायों में नियुक्तियां होंगी। महिला मोर्चा, युवा मोर्चा, किसान मोर्चा, ओबीसी मोर्चा, एससी मोर्चा, एसटी मोर्चा, अल्पसंख्यक मोर्चा जैसे प्रमुख मोर्चों, मीडिया विभाग, मीडिया संपर्क विभाग सहित अन्य विभागों व प्रकोष्ठ में प्रदेश, क्षेत्रीय, जिला और मंडल स्तर तक नई टीमों का गठन हो सकता है। पद छोड़कर पंचायत चुनाव लडे पदाधिकारियों की जगह भी खाली हुई हैं। 17 हजार कार्यकर्ता समायोजित किये जा चुके है। अगले माह चार सीटे एमएलसी की खाली हो रही हैं। उनपर जो अहम किरदार अभी ओहदे से महरूम हैं, उन्हें मौका मिलेगा। बदलते सियासी समीकरण भी देखेगा हाईकमान और निर्णय लेगा। अभी शाहजहांपुर के महाराज हाथ छुड़ाकर भगवा धारण किये हैं। शाह और पीयूष गोयल के मार्फत एंट्री मारे हैं, जाहिर वे कम से कम एमएलसी की एक सीट लेंगे। मंत्री भी नह सकते हैं। हालांकि इससे बड़े पदों पर रहे हैं। केंद्र सरकार में मंत्री रह चुके हैं। उनके लिये पार्टी कुछ बड़ा ही सोच रही होगी।

मोदी सरकार ने पेट्रोल-डीजल पर 2.74 लाख करोड़ टैक्स वसूले: प्रियंका गांधी

लखनऊ, संवाददाता। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय महासचिव व उत्तर प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी ने भाजपा की केंद्र सरकार पर हमला करते हुए कहा कि देश मे महंगाई अनियंत्रित होकर आम जनमानस की कमर तोड़ रही है, कोरोना संकटकाल मे जब मौतों से हर तरफ हाहाकार मचा उसी समय बेरोजगारी और महंगाई ने देश को जकड़ लिया और केंद्र सरकार हाथ पर हाथ रखकर जनता से केवल टैक्स वसूली कर रही है। कोरोना संकट और महंगाई से कराह रहे देश को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरोना महामारी के दौरान जनता को बेसहारा छोड़ दिया और किसी तरह की राहत देने से परहेज कर रहे है। उन्होंने कहा कि पेट्रोल, डीजल, सरसों का तेल, अरहर दाल सहित आवश्यक वस्तुओं के दाम बेतहासा बढ़ते जा रहे है, उसको नियंत्रित करने की पहल सरकार ने न करते हुए बल्कि आवश्यक उपभोक्ता वस्तुओं की जमाखोरी व कालाबाजारी को कानूनी दर्जा देकर सब कुछ बाजार के हवाले कर देने से स्थितियां लगातार विकराल हो चुकी है। सरकार ने पेट्रोल-डीजल पर 2.74 लाख करोड़ टैक्स वसूल लिया भाजपा की नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने जनकल्याण का संवैधानिक मार्ग त्यागकर केवल और केवल जनता पर भारी भरकम टैक्स लगाकर प्रताड़ित कर रही है। कांग्रेस महासचिवव प्रियंका गांधी ने सरकार पर बरसते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी लगातार देश को गुमराह करने व अपनी निजी छवि को बनाने के लिये सरकारी धन का अपव्यय कर रहे है, उन्होंने कहा कि सरकार में इच्छाशक्ति शून्य है प्रधानमंत्री से सवाल पूछते हुए कहा कि पेट्रोल डीजल से वसूले गए भारी टैक्स से जनता को क्या मिला? कांग्रेस महासचिव ने कहा कि यदि सरकार में संकट के भीषण काल मे मानवीय संवेदना होती तो जनता को संकट से उबारने के लिये वसूले गए टैक्स से देश के लिये 67000 करोड़ वैक्सीन डोज, देश के समस्त जिलों में ऑक्सीजन प्लांट, 29 राज्यों में एम्स अस्पताल बनाने के साथ-साथ देश के 25 करोड़ गरीबो को एक मुस्त 6000 रुपये की मदद कर संकटकाल में बड़ी राहत दे सकती थी। प्रियंका गांधी ने आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार का ध्यान जनकल्याणकारी नीतियों के बजाय केवल भारी भरकम टैक्स जनता पर लगाकर वसूलने तक सीमित है। जनता के साथ केंद्र व उत्तर प्रदेश सरकार उत्पीड़नात्मक रवैया मानवता को शर्मसार कर रहा है। उन्होंने कहा कि जनता को इस सरकार से मिला कुछ भी नहीं, उसे सिर्फ ठगा गया है।

भगोड़े पूंजी पतियों को लाने के लिए सरकारी खजाने से 200 करोड़ से अधिक हुए खर्च: अतुल कुमार अनजान

लखनऊ, संवादाता। देश की राष्ट्रीय कृत बैंको को देश के उद्योगपतियों ने चूना लगाकर उन्हें तबाह करने की एक सुनिश्चित योजना बना रखी है, इसी योजना के तहत पिछले 20 वर्षों में इन बैंकों को कमजोर करने की निरंतर कोशिश होती रही है, केंद्र सरकार भी इन बैंकों को बदनाम और बंद करके इन राष्ट्रीयकृत बैंकों की साख खत्म करना चाहती है। कारपोरेट कंपनियों के निजी बैंकों को बढ़ावा देना चाहती है। उक्त विचार व्यक्त करते हुए भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राष्ट्रीय सचिव अतुल कुमार अनजान ने प्रेस बयान में कहा कि देश देश में आज लाखों-लाख बड़े-छोटे कल, कारखाने और निजी उद्यम से चलने वाले छोटे बड़े दुकान राष्ट्रीय कृत बैंकों के ही आर्थिक सहयोग से खड़े हुए हैं और चल रहे हैं स एमएसएमई जिसका जिक्र आजकल बहुत हो रहा है वह राष्ट्रीय कृत बैंकों की ही देन है, करोड़ों-करोड़ों लोग राष्ट्रीय कृत बैंकों के सहयोग राशि से खड़े हुए उद्योगों के चलते अपनी रोजगार पाकर अपनी आजीविका चला रहे हैं स निजी बैंकों का योगदान अत्यंत ही कम है और उन की ब्याज दरें और कड़ी शर्तें साधारण लोगों के पहुंच के बाहर है स इस बात को मोदी सरकार को ध्यान में रखकर ही बैंकों एवं केंद्र सरकार के आर्थिक प्रतिष्ठानों पर चोट करनी चाहिए स क्योंकि इनके तबाह होने से करोड़ों करोड़ों लोग बेरोजगार हो जाएंगे, भाकपा नेता ने कहा कि बड़े-बड़े पूंजीपति, उद्योगपति अरबों रुपए लेकर देश छोड़कर भाग गए, सरकार चाहे किसी का हो उन्हें रोकने में असफल रही, ज्यादा भारतीय जनता पार्टी के कार्यकाल में भागने वाले उद्योगपतियों में विजय माल्या,मेहुल चौकसी, नीरव मोदी, निशांत मोदी का नाम मीडिया में चर्चा में है स इसके अतिरिक्त पुष्पेश पाध्य ,आशीष जोबनपुत्र, सनी कालरा, आरती हायजा, संजय कालरा, बरसा कालरा, सुधीर कालरा, जादिन मेहता, उमेश बारीकी ,कमलेस बारीकी, निलेश पारेख, विनय मित्तल, एकवचन गढी, चेतन जयंतीलाल दारा, नितिन जयंतीलाल दारा, दीप्तिवन चेतन, साबिया शेठ, राजीव गोयल, अलका गोयल, ललित मोदी ,रितेश जैनी, हितेश नागेंद्र भाई पटेल ,मयूरी बेहन पटेल, आशीष सुरेश भाई आदि कई नाम शामिल है। कुल मिलाकर 10 ट्रिलियन रुपए सरकारी राष्ट्रीय कृत बैंकों से सरकारों की कृपा से उनके अपनों ने उनके कार्यकाल में चुराया स उन्हीं की सहयोग से देश छोड़कर के भाग गए स आज नीरव मोदी, मेहुल चौकसी, विजय माल्या को देश में लाने के लिए देश की जनता की गाढ़ी कमाई के सरकारी खजाने से लगभग 200 करोड़ से अधिक कोर्ट-कचहरी में खर्च हो गए, जबकि अधिकांश भगोड़े की पैरवी कोर्ट में भी भारतीय जनता पार्टी से संबंधित वकील ही वकालत कर रहे हैं। मोदी जी ने कहा था कि न् खाएंगे ना खाने देंगे।

गुरू अरजनदेव जी पावन शहीदी पर्व पर होगी सरबत के भले की अरदास

लखनऊ,संवाददाता। गुरुद्वारा आलमबाग करोना काल की इस महामारी के दौरान गुरुद्वारा आलमबाग की और से लगातार जारी सेवाओं में बछरावां, उन्नाव, सीतापुर, लखीमपुर व रायबरेली में पिछले दो महीने से चल रही है, जिसमें आक्सीजन सैलेंडर, कन्सर्टेटर, आक्सी मीटर, मास्क रेगुलेटर, राशन किट की सेवाये गुरू किरपा व आपके सहयोग से दी जा रही है, कमेटी सदस्यों का आभार प्रकट व प्रोत्साहन के लिये कैन्ट विधायक सुरेश तिवारी ने गुरुद्वारा साहिब पहुँच कर गुरूसाहिब के दर्शन कर कमेटी के कार्यो की प्रशंसा करते हुये कहा कि गुरुद्वारा आलमबाग द्वारा समाज के हर क्षेत्र शिक्षा, सफाई अभियान, मैडिकल, लंगर, आक्सीजनलंगर, सभी क्षेत्रों में सेवाओ की जितनीसराहनाकीजायेकमहै, पूरे लखनऊ के हर वर्ग को साथ जोड़कर सेवा करने के लिये गुरुद्वारा अध्यक्ष निर्मल सिंह व कमेटी सदस्यो को बधाई देता हूँ। अध्यक्ष निर्मल सिंह ने बताया कि कि पाँचवें गुरू श्री गुरूअरजन देव जी महाराज जी की पावन शहीदी 14 जून को बड़ी सादगीसेमनायीजायेगी, देश में करोना से प्रभावित लोगों के भले की अरदास की जेयोगी। महासचिव रतपाल सिंह गोल्डी ने बताया कि दिल्ली निवासी सुनील जीलखनऊ में रहकर पिछले एक महीने से अपनी करोना पास्टिव गर्भवती पत्नी का इलाज करवा रहे थे। करोना नेगेटिव होने के बाद होम आइसोलेशन में आक्सीजन के लिये गुरुद्वारा आलमबाग साहिब से इन्हें आज आक्सीजन कन्सर्टेटर की निःशुल्क सेवा अध्यक्ष निर्मल सिंह व कैन्टविधायक सुरेशतिवारी द्वारा भेंट की गयी। आक्सीजन के बारबार घटने के कारण इन्हें कन्सर्टेटर की सेवादी जा रही है।

ऑल इण्डिया ड्राइवर्स फेडरेशन ने मनाया स्थापना दिवस, किया वृक्षारोपण

लखनऊ, संवाददाता। ऑल इण्डिया गवर्नमेन्ट ड्राइवर्स फेडरेशन के बैनर तले आज लोक निर्माण विभाग प्रागण में फेडरेशन का स्थापना दिवस और ड्राइवर डे सादगी के साथ मनाया गया। समारोह की अध्यक्षता ऑल इण्डिया गवर्नमेन्ट ड्राइवर्स फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामफेर पाण्डेय एवं संचालन राजकीय वाहन चालक संघ लोक निर्माण विभाग के पूर्व अध्यक्ष त्रिलोक सिंह ने किया। इस दौरान आक्सीजन प्लॉट की भूमिका निभाने वाले पीपल के पौधरोपण भी किया गया। स्थापना दिवस, ड्राइवर डे और वृक्षारोपण समारोह में शामिल चालक समाज को सम्बोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष रामफेर पाण्डेय ने कहा कि उत्तर प्रदेश ही नही बल्कि हर राज्य में राजकीय सेवा के चालक बन्धुओं की काफी समस्याएं लम्बित है। कोरोना महामारी के खत्म होते ही एक राष्ट्रीय स्तर पर बैठक कर एक कामन मांगपत्र तैयार कर आन्दोलन शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि चालक संवर्ग को तकनीकि संवर्ग की मांग लम्बे अरसे से लम्बित है। इस दौरान अपने सम्बोधन में राजकीय वाहन चालक संघ लोक निर्माण विभाग के पूर्व अध्यक्ष त्रिलोक सिंह ने कहा कि प्रदेश का राजकीय चालक संवर्ग कई समस्याओं से जूझ रहा है। सरकार से लम्बे अरसे से कोई बॉतचीत न होने के कारण काफी समस्याएं ऐसी है जिनका निराकरण नही हो पा रहा है। यही नही काफी समस्याएं विभागीय स्तर पर लम्बित है। चालक सदस्यों को जाति पाति, क्षेत्रवाद को छोड़कर अपने संगठन और संगठन के पदाधिकारियों को जाति पाति, क्षेत्रवाद को छोड़कर अपने सदस्यों के हक की रक्षा करनी चाहिए। इस अवसर पर ऑल इण्डिया गवर्नमेन्ट ड्राइवर्स फेडरेशन संयुक्त सचिव रमेश सिंह ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर राजकीय वाहन चालक संघ लोक निर्माण विभाग के पूर्व उपाध्यक्ष मोहम्मद यूसूफ मोहम्मद अनीस, शिवराज सिंह, लालता वर्मा, अनिल कुमार गौड, कृष्णपाल सिंह, तुलसीराम, कृपाशंकर दीक्षित, प्रदीप शुक्ला, राय सिंह, शम्भू सिंह, राहुल सिंह, मुन्ना यादव, धन सिंह, आदि मौजूद रहे।

बेसिक शिक्षा में बड़े बदलाव की तैयारी हर ब्लॉक में होंगे मॉडल स्कूल

लखनऊ, संवाददाता। योगी सरकार यूपी बेसिक शिक्षा 2021-22 में कई बड़े बदलाव करने जा रही है। अब आंगनबाड़ी केंद्रों पर ही प्री प्राइमरी शिक्षा का इंतजाम होगा। साथ ही प्रदेश के 901 शैक्षिक ब्लॉक में से प्रत्येक में मॉडल स्कूल स्थापित किए जाएंगे। इसके अलावा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों और परिषदीय उच्च विद्यालयों में विद्यार्थियों को अंग्रेजी, गणित व विज्ञान को रूचिकर तरीके से समझाने के लिए किट भी मुहैया कराई जाएगी। प्रदेश के मुख्य सचिव राजेंद्र कुमार तिवारी की अध्यक्षता में हुई उच्च स्तरीय बैठक में इन प्रस्तावित योजनाओं को मंजूरी दी गई।कार्ययोजना में बेसिक शिक्षा के लिए 11,429.14 करोड़ रुपये, टीचर एजुकेशन के लिए 183.86 करोड़ रुपये और माध्यमिक शिक्षा के लिए 1,150 करोड़ रुपये के प्रस्ताव शामिल हैं। बेसिक शिक्षा में निर्माण कार्यो के लिए 2700.79 करोड़ रुपये प्रस्तावित है. इसके तहत 7209 अतिरिक्त क्लास रूम का निर्माण, 2868 जर्जर विद्यालयों का पुनर्निर्माण, 8070 उच्च प्राथमिक विद्यालयों में फर्नीचर, 15587 विद्यालयों में दिव्यांग बच्चों के लिए शौचालय, 19800 विद्यालयों का विद्युतीकरण, 806 विद्यालयों में सोलर पैनल की व्यवस्था, 15191 उच्च प्राथमिक विद्यालयों में बालिकाओं के लिए इंसीनरेटर, 301 उच्च प्राथमिक विद्यालयों में चारदीवारी निर्माण, प्रत्येक शैक्षिक ब्लॉक में मॉडल स्कूल की स्थापना, 278 विद्यालयों में पेयजल सुविधा, 103 विद्यालयों में बड़े मरम्मत कार्य, शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के कार्यक्रम के लिए 1051.15 करोड़ रुपए की धनराशि प्रस्तावित की गई है। बालिका शिक्षा से जुड़े कार्यक्रमों के लिए 1295.11 करोड़ रुपये, प्रदेश के 75 केजीबीवी को कक्षा 12 तक अपग्रेड करने का प्रस्ताव, सामुदायिक सहभागिता के कार्यक्रमों के लिए 1773.47 करोड़ रुपये जिससे सभी विद्यार्थियों को मुफ्त में यूनिफॉर्म, जूता मोजा व पाठ्यपुस्तकें शामिल है। जबकि दिव्यांग बच्चों की समावेशी शिक्षा के लिए 44.41 करोड़ रुपये, शिक्षकों, शिक्षामित्रों व अंशकालिक अनुदेशकों के वेतन के लिए 5404.36 करोड़ रुपये, 2021-22 में मिड डे मील के लिए 4222.51 करोड़ रुपये की वार्षिक कार्ययोजना भी केंद्र को प्रस्तावित दी गई है।

ट्विटर पर सीएम योगी और अखिलेश यादव के फॉलोअर्स की संख्या बराबर

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश में बतौर मुख्यमंत्री करीब साढ़े चार वर्ष का कार्यकाल पूरा करने वाले सीएम योगी आदित्यनाथ की लोकप्रियता का ग्राफ लगातार बढ़ता जा रहा है। गांव के लोगों के बीच बेहद लोकप्रिय हो चुके योगी आदित्यनाथ इंटरनेट मीडिया पर भी बेहद सराहे जा रहे हैं। उनकी लोकप्रियता का आलम यह है कि ट्विटर पर उनके और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के फॉओलर्स की संख्या बराबर हो गई है। इंटरनेट मीडिया पर शुक्रवार को नया और रोचक तथ्य सामने आया है। इसमें ट्विटर पर नेताओं के फॉलोअर्स की संख्या की जानकारी दी गई है। इसमें सीएम योगी आदित्यनाथ ने अभी तक शीर्ष पर चल रहे उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री तथा समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव की बराबरी कर ली है।योगी आदित्यनाथ के भी अब अखिलेश यादव के बराबर ही 14.1 मिलियन फॉलोअर्स हो गए हैं। अखिलेश यादव जुलाई 2009 से ट्विटर पर हैं, जबकि सीएम योगी आदित्यनाथ सितम्बर 2015 से ट्विटर पर हैं। दोनों ही नेताओं के ट्विटर पर अब बराबर फॉलोअर्स हो गए हैं।बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती के 1.8 मिलियन फॉलोअर्स पर हैं। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती अक्टूबर 2018 से ट्विटर पर सक्रिय हैं। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव और उत्तर प्रदेश की प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा भी ट्विटर पर बेहद एक्टिव हैं। उन्होंने फरवरी 2019 में अपना अकाउंट बनाया था और आज उनके फॉलोअर्स की संख्या 3.7 मिलियन पर पहुंच गई है।डिजिटल दौर में अब नेता स्थलीय सक्रियता के साथ ही इंटरनेट मीडिया पर भी बेहद एक्टिव हो गए हैं। किसी भी घटना की जानकारी के साथ ही प्रतिक्रिया तथा बधाई देने के लिए अब नेता ट्विटर का काफी प्रयोग कर रहे हैं।

एंबुलेंस कोरोना योद्धा कर्मचारियों का किया गया सम्मान

लखनऊ। पूरे कोरोना काल में एंबुलेंस कर्मचारी एक कोरोना योद्धा के रूप में काम किए हैं। लखनऊ जिले में कोरोना संक्रमण को बढ़ते हुए देखकर सेवा प्रदाता के द्वारा अन्य जिलों के कर्मचारियों को ड्यूटी दी गई थी। जिसके अंतर्गत अमेठी, बाराबंकी, श्रावस्ती, बलरामपुर, कानपुर नगर, और कानपुर देहात के कर्मचारी आकर लखनऊ में एंबुलेंस पर कोरोना में ड्युटी कर रहें थे। इन कर्मचारियों को आज जीवनदायिनी एंबुलेंस संगठन के प्रदेश अध्यक्ष हनुमान पांडेय और प्रदेश कोषाध्यक्ष सुशील पांडेय के द्वारा विदाई समारोह कार्यक्रम करके सम्मानित किया गया। इस मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष विनय तिवारी, के साथ लखनऊ जिला अध्यक्ष सुनील सचान, अनिल कुमार, तथा अलग-अलग जिले से ड्यूटी कर रहे कर्मचारी मौजूद रहे।

पेट्रोल डीजल के दाम बढ़ने के विरोध में कांग्रेसियों ने किया प्रदर्शन

जिला उपाध्यक्ष संजय चौबे के अगुवाई में किया गया विरोध प्रदर्शन

गोरखपुर/सहजनवा कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओ ने उत्तर प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी के निर्देश पर सहजनवा स्थित गुप्ता पेट्रोल पंप के सामने पेट्रोल, डीजल व गैस सिलेंडर व बढ़ती महंगाई की कीमतों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। इस मौके पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विरोध किया और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता श्रवण कुमार पांडेय केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि एक वक्त था जब देश में कांग्रेस की सरकार थी और तब भाजपा के तमाम नेता, जो आज केंद्र सरकार में मंत्री बने बैठे है, देश की सड़कों पर डीजल पेट्रोल की कीमतों को लेकर जेल भरो आंदोलन करते थे।उन्होंने कहा कि आज वे तमाम नेता पेट्रोल और डीजल की बढ़ी कीमतों पर चुप है। आज सबसे ज्यादा टैक्स पेट्रोल और डीजल की दामो पर लगाया गया है। उन्होंने कहा कि स्मृति ईरानी जब विपक्ष में थीं तो पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की 5 रुपए की वृद्धि पर सड़कों पर प्रदर्शन करती हुई दिखती थीं, पर आज जब चौतरफा महंगाई की मार है तो वो मौन हैं, आज कांग्रेस पार्टी ने उन्हें नींद से जगाने का प्रयास किया है। देश के कई हिस्सों में पेट्रोल 100 रुपए पार, डीजल 90 रुपए पार हो गया है, और गैस सिलेंडर की कीमतें दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। शर्मनाक बात यह है की इस तरह की खुली लूट करने के बावजूद भाजपा सरकार इसका दोष भी कांग्रेस पर मढ़कर अपना पीछा छुड़ाना चाहती है। किसान, नौजवान, मजदूर, व्यापारी, महिलाएं महंगाई से त्राहि त्राहि कर रहे हैं, लेकीन आरएसएस और भाजपा पर कोई फर्क नहीं पड़ रहा है ।देश आरएसएस और भाजपा का जनविरोधी और देश विरोधी चेहरा सामने आ गया है। सहजनवा नगर अध्यक्ष सजंय सिंह ने कहा कि देश में बढ़ती मंहगाई को चिंता का विषय बताया है। उन्होंने कहा कि देश में महंगाई बेलगाम हो गई है। महामारी के बीच भी पूरे देश में पेट्रोल एंव डीजल की कीमतों में जबरदस्त उछाल देखने को मिल रहा है। ईंधन की कीमतों में यह ऐतिहासिक और निरंतर वृद्धि ऐसे समय में हो रही है, जब नागरिक कोविड-19 की दूसरी लहर से जूझ रहे हैं। कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने पेट्रोल पंप के सामने देशव्यापी प्रतीकात्मक विरोध प्रदर्शन किया और ईंधन की कीमतों में वृद्धि को तत्काल वापस लेने की मांग किया। इस दौरान जिलाउपाध्यक्ष संजय चौबे जिला महासचिव घटोत्कच शुक्ला, सहजनवा नगर अध्यक्ष संजय सिंह सहजनवा ब्लॉक अध्यक्ष बद्रीनाथ शुक्ल , आलोक त्रिपाठी, गब्बूलाल प्रजापति , दिनेश तिवारी, द्वारिका नाथ गुप्त, सत्यप्रकाश त्रिपाठी, सुनील पांडेय, डीएन उपाध्याय, अजय मिश्र, सुदर्शन शुक्ल, राजदेव तिवारी, छेदी चौबे , वेदप्रकाश, बलिराम, और रामसकल पासवान सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दुष्कर्म करने का आरोपी गिरफ्तार

गोण्डा। पुलिस अधीक्षक गोण्डा संतोष कुमार मिश्रा ने अपराध एंव अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत वांछित अभियुक्तों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी करने हेतु जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षों को कड़े निर्देश दिए थे। उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना खरगूपुर पुलिस ने मु0अ0सं0-150/21, धारा 363,366,376 भादवि से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त लवकुश पुत्र अनोखीलाल को गिरफ्तार कर लिया गया। उक्त अभियुक्त थाना खरगूपुर क्षेत्र की रहने वाली एक लड़की को बहला-फुसलाकर भगा ले गया था । तथा उसके साथ दुष्कर्म किया था। गिरफ्तार अभियुक्त को वास्ते रिमांड माननीय न्यायालय रवाना किया गया।

03 चैन स्केचिंग महिलाओं को सिहोरवा बाजार से एसपी नार्थ ने किया गिरफ्तार

मजनू पुलिस चौकी को किया सुपुर्द

गोरखपुर/ चिलुआताल थाना क्षेत्र के मजनू पुलिस चौकी अंतर्गत 3 चैन स्केचिंग महिलाओं को पुलिस अधीक्षक उत्तरी ने सिहोरवा बाजार से किया गिरफ्तार मजनू पुलिस चौकी को किया सुपुर्द। टेंपो ड्राइवर देवेंद्र गोरखपुर से शांति देवी और उनकी माता सोना देवी को सिहोरवा बाजार लेकर आ रहा था। सोना देवी अपनी माता को दवा के लिए लेकर गोरखपुर गई हुई थी जंगल कौड़िया ब्लाक पर पहुंचने पर टैंपू में 4 महिलाएं और टेम्पू में बैठ गयी जिनका नाम क्रमसः प्रतिमा देवी पत्नी राजन ,पूजा पत्नी आकाश, गीता पत्नी लखु निवासी ग्राम सभा मगहर बता रही हैं। एक महिला जिसका नाम पता अज्ञात है जो टैंपू से कूद कर भाग गई शांति देवी का आरोप है कि ग्राम सभा अहिरोली भट्टे के पास टैंपू में तीन महिला के साथ एक और महिला बैठी हुई थी जो मेरे माता के गले से सोने की पहनी हुयी चैन को खींची जैसे ही चैन को खींची मेरी माता जी तुरंत शोर मचाने लगी मेरी निगाह तुरंत उस महिला पर पड़ी मैंने तुरंत उसका हाथ पकड़ लिया हाथ पकड़ने के बाद महिला ने चैन को टैंपू में गिरा दिया और टैंपू से कूदकर भाग गई गनीमत रही कि चैन बरामद हो गया। लेकिन महिला का पता नहीं चल पाया कौन थी कहां की रहने वाली थी साथ में जो तीनों महिलाएं बैठी हुई थी उन सबका कहना है कि वह महिला हम लोग के साथ में नहीं थी मौके पर सूचना प्राप्त होते ही सिहोरवा बाजार के पास पुलिस अधीक्षक उत्तरी मनोज कुमार अवस्थी महिलाओं को पकड़कर स्थानी मजनू पुलिस चौकी पर सुपुर्द करते हुए पूछताछ कर रही हैं।

पशु तस्करों पर सख्त से सख्त की जाएगी कार्रवाईः एसएसपी

एसएसपी ने एसपी सिटी एसपी दक्षिणी एसपी उत्तरी को पशु तस्करों पर लगाम लगाने के लिए दिया निर्देश

गोरखपुर/पशु तस्करों पर नकेल कसने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार पी ने पुलिस अधीक्षक नगर सोनम कुमार पुलिस अधीक्षक दक्षिणी अरुण कुमार सिंह पुलिस अधीक्षक उत्तरी मनोज कुमार अवस्थी को निर्देशित किया है कि अपने अपने सर्किल के अंतर्गत पशु तस्करों पर रात्रि के समय बैरिकेडिंग लगाकर पशु तस्करों पर लगाएं नियंत्रण। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार पी ने बताया कि गली मोहल्लों में घूमने वाले छुट्टा पशुओं को पशु तस्करों द्वारा उठाने का कार्य किया जा रहा है अगर उस दौरान आम जनता या पुलिस द्वारा रोकने का प्रयास किया जाता है तो तस्करों द्वारा उन पर पथराव कर घायल करने का कार्य किया जाता है।

लेकिन अब पशु तस्करों की खैर नहीं एसएसपी पशु तस्करों पर पूर्ण रूप से लगाम लगाने के लिए एसपी सिटी एसपी दक्षिणी एसपी उत्तरी को निर्देशित कर दिया है कि अपने-अपने क्षेत्रों में पशु तस्करों पर पूर्ण रूप से लगाम लगाएं रात्रि के दौरान बैरिकेडिंग कर अपने सूचना तंत्र को मजबूत करते हुए पशु तस्करों की धरपकड़ तेज करें पहले जनपद में जिन पशु तस्करों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत या अभी खुलासा नहीं हुआ है उनकी विवेचना की गति तेज करते हुए पशु तस्कर पर लगाम लगाया जाए क्योंकि पूर्व में छोटे बड़े अपराधियों पर नाम मात्र कार्रवाई की जाती रही हैं। लेकिन अब छोटा हो या बड़ा सफेद पोश हो या सफेदपोश के संरक्षण में सभी पर की जा रही है कार्रवाई अब उसी तर्ज पर पशु तस्करों पर सख्त सख्त की जाएगी कार्रवाई ताकि आगे कोई भी पशु तस्कर तस्करी करने की ना करें जुर्रत अब उम्मीद यही किया जा रहा है कि पशु तस्करों पर कार्रवाई करने से ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों से पशु तस्करी पर अंकुश लगने से ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों के पशुपालकों को राहत मिलना लाजमी हो जाएगा।

ताल में ज़हरीला पदार्थ डालने को लेकर मछली पालक कर्ता और ग्रामीणों के बीच तनाव

गोरखपुर/सहजनवा थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम कुसम्हाखुर्द में शुक्रवार की सुबह मछली पालक कर्ता द्वारा ताल के पानी में मछली पकड़ने के लिए जहरीला पदार्थ प्रयोग करने को लेकर, उनके तथा ग्रामीणों के बीच भारी तनाव बढ़ गया है । मौके पर पहुंची मुकामी पुलिस मामले को किसी तरह शांत कराया। मिली जानकारी के अनुसार-घघसरा निवासी अंबरीश सिंह द्वारा ग्राम कुसम्हाखुर्द के समीप ताल में मछली पालन किया गया है। गुरुवार से ही उसमें मछली पकड़ने का कार्य किया जा रहा है। शुक्रवार को मछली पकड़ने का नया तरीका अपनाते हुए, उनके द्वारा ज़हरीला पदार्थ चैलेंज प्रयोग किया गया। इस बात की जानकारी होने पर ग्रामीण भड़क गए और दोनों पक्ष के बीच टकराव की स्थिति आ गई और दोनों पक्ष आमने-सामने आ गया। मौके पर पहुंची मुकामी घघसरा किसी तरह मामले को संभाला। दोनों पक्षों को चौकी पर ले गई। ग्रामीणों का तर्क था कि- पानी में घुले जहरीला पदार्थ से हमारी मवेशियां बीमार कर सकती है। क्योंकि उसी पानी में बैठने जाती हैं । दूसरी तरफ मछली पालक कर्ता अंवरीश सिंह का तर्क था कि छोटी मछलियां पकड़ में नहीं आती है इस लिए ज़हरीले पदार्थ का प्रयोग करना पड़ता है। उक्त संदर्भ में जब उपजिलाअधिकारी सहजनवा सुरेश राय से बात की गई तो उन्होंने कहा कि- ताल के पानी में जहरीला पदार्थ प्रयोग नहीं किया जा सकता है। यदि ऐसा किया गया तो उसकी जांच होगी। उप्र संदर्भ में थाना अध्यक्ष सहजनवा दिलीप कुमार पांडेय ने कहा कि- मछली पालक द्वारा,पानी में जहरीला पदार्थ प्रयोग करने को लेकर विवाद हुआ है। अभी किसी पक्ष द्वारा तहरीर नहीं दी गई है।

डोहरिया स्वास्थ्य केंद्र से 12 वर्षीय बच्चा लापता ढूंढने एसपी नॉर्थ व सीओ कैम्पियगज रेलवे व बस स्टेशन पहुंचे

गोरखपुर/चिलुआताल थाना क्षेत्र के मजनू पुलिस चौकी अंतर्गत बुढ़ियाबारी निवासी 12 वर्षीय रणविजय प्रजापति डोहरिया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से 10 जून को दिन में लगभग 2 बजे खेलते वक्त लापता हो गया घटना की सूचना प्राप्त होते ही पुलिस अधीक्षक उत्तरी मनोज कुमार अवस्थी व गोरखपुर रेलवे व बस स्टेशन तलाश करते हुए जगतबेला रेलवे स्टेशन सहित अन्य संभावित स्थानों पर तलाश करने स्वयं अपने सहयोगी क्षेत्राधिकारी कैंपियरगंज अजय कुमार सिंह के साथ पहुंच गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार चिलुआताल थाना क्षेत्र के मजनू पुलिस चौकी अंतर्गत बुढ़ियाबारी निवासी सरजू प्रजापति पुत्र स्वर्गीय रामजीयावन प्रजापति ने मजनू पुलिस चौकी प्रभारी को सूचना दी कि हमारा 12 वर्षीय भतीजा रणविजय प्रजापति पुत्र राम नारायण प्रजापति ढोहरिया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से दिन में 2 बजे खेलते हुए लापता हो गया काफी ढूंढने व खोजने पर अभी तक नहीं मिला जिसकी सूचना मजनू पुलिस चौकी प्रभारी संजय सिंह को दिया चौकी प्रभारी ने तत्परता दिखाते हुए उच्च अधिकारियों को अवगत कराते हुए ढूंढने का प्रयास किया सूचना प्राप्त होते ही पुलिस अधीक्षक उत्तरी मनोज कुमार अवस्थी अपने सहयोगियों के साथ रेलवे बस स्टेशन व रेलवे स्टेशन पर छानबीन करते हुए जगतबेला स्टेशन पहुंच गए । जहां लापता 12 वर्षीय रणविजय को ढूंढने का प्रयास किया स्टेशन पर लगे सीसी कैमरे के फुटेज देखने का प्रयास किया कुछ लोगों द्वारा अपुष्ट सूचना दी गयी है। उसके निशानदेही पर उक्त बच्चे की तलाश तेज कर दी गई है उम्मीद किया जा रहा है कि लापता बच्चा जल्द ही मिलने की संभावना प्रबल हो गई है लापता बच्चे की तलाश जारी है लापता बच्चा पीले रंग का फूल शर्ट व नीले रंग का कढ़ाई दार जीन्स पहना हुआ है जिस किसी भी को उक्त बच्चा दिखाई दे तत्काल चिलुआताल थाना क्षेत्र के मजनू पुलिस चौकी या पुलिस अधीक्षक उत्तरी को तत्काल अवगत कराएं जिससे उक्त बच्चे को उसके परिवार जनों को तत्काल सौंपा जा सके।

कमीशन के चक्कर में ग्राम सभा का रुका विकास कार्य

गोरखपुर/ पिपराइच विधानसभा क्षेत्र के विकास खंड भटहट अन्तर्गत त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में नव निर्वाचित ग्राम प्रधान प्रतिनिधि द्वारा ग्राम विकास अधिकारी एवं बीडीओ भटहट पर कमीशन लेकर फाइल पास करने का आरोप लगाया है। पंचायत चुनाव की गणना के पश्चात नव निर्वाचित ग्राम प्रधानों को मिट्टी कार्य मानसून आने से पूर्व संपन्न करा लेने का निर्देश प्राप्त हुआ है। जिसमे पिपरी ग्राम प्रधान क़ौला देवी के प्रतिनिधि का आरोप है कि फाइल पास कराने के लिए सेक्रेट्री एवं बीडीओ द्वारा खुलेआम कमीशन मांगा जा रहा है । हमारे ग्राम विकास अधिकारी द्वारा कच्चे कार्य के लिए 50 प्रतिशत तथा पक्के कार्य के लिए बीडीओ द्वारा 5 प्रतिशत कमीशन तय किया गया है। मुझे कमीशन न तो लेना है और ना ही देना है चाहे कार्य हो अथवा ना हो। मै ग्रामसभा के जनता के साथ विश्वासघात नहीं करूंगा। अब सवाल यह है कि विकास कार्य के लिए स्वीकृत धनराशि का आधी रकम कमीशन खोरी में चला जाएगा तो विकास कार्य कैसे होगा? यह भी बता दें कि जिस ग्राम विकास अधिकारी पर आरोप लगाये जा रहे हैं उन पर पूर्व में भी एक ग्राम सभा के निधि छः से फर्जी भुगतान के मामले में आरोप लगाये गये थे। जिस पर जाच प्रक्रिया चल रही है।

बाढ़ एवं अतिवृष्टि में राहत व बचाव की बैठक 14 जून को

गोण्डा। जिलाधिकारी श्री मार्कंडेय शाही की अध्यक्षता में आगामी बाढ़ एवम् अतिवृष्टि में राहत व बचाव सम्बन्धी तैयारियों की समीक्षा हेतु आगामी 14 जून को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में प्रातः 11:00 बजे एक बैठक आहूत की गई है। बैठक से सम्बन्धित सभी अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि बाढ़ सम्बन्धी सभी सूचनाएं लेकर बैठक में प्रतिभाग करना सुनिश्चित करें।

चरगावां सीएचसी को महिला आयोग सदस्य निर्मला द्विवेदी ने लिया गोद

निरीक्षण कर सुंदरीकरण कराने का दिया निर्देश

गोरखपुर/राज्य महिला आयोग सदस्य निर्मला द्विवेदी सीएचसी चरगावां का किया निरीक्षण राप्ती नगर मंडल वासियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सीएचसी चरगावां को लिया गोद महिला आयोग 30 सदस्य निर्मला द्विवेदी महीने के पहले व तीसरे बुधवार को महिलाओं की समस्याओं को निजात दिलाने के लिए निरीक्षण कर महिलाओं से मुलाकात कर उनकी समस्याओं से रूबरू होते हुए तत्काल निस्तारण करने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश देती रहती हैं। कोरोना संक्रमण महामारी के वजह से भ्रमण का कार्यक्रम धीमा पड़ गया था लेकिन पुणे भ्रमण का कार्यक्रम जारी रखते हुए चरगावां ब्लाक अंतर्गत सीएचसी सेंटर पर बनाए गए कोविड-19 वैक्सीनेशन स्टोर रूम रजिस्ट्रेशन स्थल वैक्सीनेशन स्थल का स्थलीय निरीक्षण करते हुए संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए कहा कि सीएचसी सेंटर को आज से हम गोद ले रहे हैं अब यहां बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी जिसका सुंदरीकरण बेहतर तरीके से कराया जाए जहां कम से कम 10 आईसीयू सेंटर स्थापित हो किसी भी गंभीर मरीज को राप्ति नगर मंडल के किसी भी महिला या पुरुष को जिला चिकित्सालय या मेडिकल कालेज ना जाना पड़े अब यहां पर बेहतर के उच्च स्तर के डॉक्टर मौजूद रहेंगे सीएचसी को हाईटेक क्वालिटी का बनाया जाएगा संबंधित अधिकारियों को बेहतर क्वालिटी का बनाने के लिए प्रपोजल मांग लिया गया हैं प्रपोजल मिलने शासन की भेजा जायेगा शासन स्तर से संतृप्ति मिलने के बाद सुंदरीकरण का कार्य प्रारंभ करा दिया जाएगा प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जंगल कौड़िया ब्लॉक एवं चरगांवा ब्लॉक के पीएसी को गोद लिया गया है। अब लोगों में होड़ लगी हुई है इसके पहले भी कुछ सांसदों द्वारा गांव को गोद लिया गया लेकिन कोई बेहतर सुविधा ग्रामीणों को नहीं उपलब्ध कराया गया केवल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने लिए गए गांव वन टांगिया को बेहतर तरीके से सभी सुख सुविधाएं ग्रामीणों को उपलब्ध कराया बाकी सांसद या मंत्री केवल हवा हवाई साबित हुए अब उसी तरह ब्लॉकों को गोद लेने का होड़ लगा हुआ है अब कम से कम इसी बहाने लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें अब समय ही बताएगा कौन अपने लिए हुए गोद पीएचसी व सीएचसी पर बेहतर सुविधा आम जनता को दिलवा पाएगा।

गोरखपुर से नाबालिग लड़की को फुसलाकर ले गया, पांच महीने तक करता रहा रेप, ऐसे चढ़ा पुलिस के हत्थे

गोरखपुर/ जिले के चौरी चौरा थाना क्षेत्र के एक गांव की 15 वर्षीया किशोरी को पांच माह पूर्व घर से भगा ले जाने और उसके साथ रेप करने के आरोपी युवक को सोनबरसा चौकी पुलिस ने शुक्रवार की सुबह सोनबसरा सिनेमा हॉल के पास से गिरफ्तार करके उसे कोर्ट में पेश किया जहां से जेल भेज दिया गया। चौरी चौरा के प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार अवस्थी ने बताया कि सुबह 10 बजे मुखबिर ने सोनबरसा चौकी प्रभारी मदन मोहन मिश्र को सूचना दी कि किशोरी को भगा ले जाने और उसके साथ रेप का आरोपी कुशीनगर जिले के हाटा कोतवाली क्षेत्र के बकराबाद निवासी हरेंद्र कुमार पुत्र राजनारायण सोनबरसा सिनेमा हॉल के पास है। चौकी प्रभारी ने कांस्टेबल प्रदीप कुमार के साथ मौके पर पहुंचे और उसे दबोच लिया। उसके खिलाफ पूर्व में धारा 363 व 366 के तहत केस दर्ज था। पुलिस ने डॉक्टरी रिपोर्ट के आधार पर धारा 376 व 3/4 पॉक्सो एक्ट बढ़ाकर उसे जेल भेज दिया।

सुभासपा के कार्यकर्ताओं ने महाराजा सुहेलदेव राजभर का मनाया विजय दिवस

श्रावस्ती सम्राट महाराजा सुहेलदेव राजभर का बड़े ही धूमधाम से मनाया गया विजय दिवस

गोण्डा। श्रावस्ती सम्राट महाराजा सुहेलदेव राजभर के विजय दिवस के अवसर पर सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के कार्यकर्ताओं ने गोण्डा जिले के 301 गौरा विधानसभा के केशव नगर ग्रांट पूर्वी (डढ़वा)आर एस एस जिला कमांडर जोखन राजभर के घर पर व कई अन्य जगहों पर विजय दिवस बड़े ही धूमधाम और हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया। वहा पर मौजूद लोगों ने महाराजा सुहेलदेव राजभर के नीतियों और आदर्शों के बारे में समाज को जागरूक करने का काम किया गया है।कार्यक्रम के दौरान सभी कार्यकर्ताओं ने महाराजा सुहेलदेव राजभर के चित्र पर माल्यार्पण कर महाराजा सुहेलदेव राजभर के नारे लगे।कार्यक्रम में उपस्थित विधानसभा अध्यक्ष उमा शंकर राजभर,रविन्द्र राजभर(पुजारी),नरसिंह राजभर,अजय राजभर,लालजी प्रजापति,विजय राजभर,राम विलास राजभर,अनिल राजभर, फिरोज अली,सुनील राजभर, प्रवेश राजभर,डॉक्टर मसरूरेहयात,अमरनाथ वर्मा, अर्जुन राजभर आदि लोग शामिल रहे।

सीएम सीएचसी को चमकाएंगीं 24 अलग-अलग टीम

- जंगल कौड़िया और चरगांवा सीएचसी को एनक्वास व आईपीएचएस के मानकों पर किया जाएगा तैयार
- सीएम द्वारा गोद लेने के बाद सीएमओ ने टीम का गठन करते हुए पत्र जारी कर दिया विशेष दिशा-निर्देश
- अभी तक जिले में सिर्फ डेरवा पीएचसी और बसंतपुर यूपीएचसी को मिला है एनक्वास का खिताब

गोरखपुर/प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा जिले के जंगल कौड़िया और चरगांवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) को गोद लिये जाने के बाद उनकी सूरत बदलने की तैयारी तेज हो गयी है। दोनों सीएचसी को नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस सर्टिफिकेशन (एनक्वास) और इंडियन पब्लिक हेल्थ स्टैंडर्ड (आईपीएचएस) के मानकों के हिसाब से तैयार किया जाएगा। इस संबंध में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुधाकर पांडेय ने 24 सदस्यीय टीम का गठन करते हुए विशेष दिशा-निर्देश जारी किये हैं। इस टीम के लोग अपने-अपने कार्यक्रमों की स्थिति पर फोकस्ड तरीके से काम करेंगे। जिले में अभी तक सिर्फ डेरवा पीएचसी और बसंतपुर यूपीएचसी (अर्बन हेल्थ पोस्ट सर्विसेज) को एनक्वास का खिताब मिला है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने एनक्वास और चरगांवा के नोडल अधिकारी डॉ. नंद कुमार, जंगल कौड़िया के क्षेत्रीय नोडल अधिकारी डॉ. एके चौधरी और जिला क्वालिटी एश्योरेंस कंसल्टेंट डॉ. मुस्तफा खान और उनकी टीम को सभी मानकों को यथाशीघ्र पूरा कराने का दिशा-निर्देश दिया है। इन लोगों की टीम ने दोनों सीएचसी पर कैंप करना शुरू कर दिया है। टीम का गठन करते हुए सीएमओ ने सभी को दिशा-निर्देशित किया है कि राष्ट्रीय कार्यक्रमों और चिकित्सालय का सुदृढ़ीकरण कर उन्हें यथाशीघ्र सूचना दी जाए। टीम का कार्य सुचारू ढंग से चल सके इसके लिए एसीएमओ डॉ. एके चौधरी, जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. रामेश्वर मिश्र, उप जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. विराट, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नंद कुमार, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. नीरज कुमार पांडेय, एसीएमओ डॉ. सीमा राय, डॉ. एएन प्रसाद, डॉ. गणेश यादव और डॉ. एसएन त्रिपाठी को विभिन्न प्रोग्राम के नोडल के तौर पर योगदान देने के लिए दिशा-निर्देशित किया गया है।

इन कार्यक्रमों का होगा सुदृढ़ीकरण

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि दोनों सीएचसी पर वेक्टर वार्न डिजिज, राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम, राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम, राष्ट्रीय एल्डरी हेल्थ कार्यक्रम, इंटीग्रेटेड डिजीज कंट्रोल कार्यक्रम, राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम, आयोडिन डिफिसिन्सी कार्यक्रम, राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम, राष्ट्रीय गैर संचारी रोग नियंत्रण कार्यक्रम, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम, परिवार नियोजन कार्यक्रम, राष्ट्रीय कुष्ठ निवारण कार्यक्रम, राष्ट्रीय अन्धता निवारण कार्यक्रम, जननी सुरक्षा योजना और लक्ष्य जैसे कार्यक्रमों को गुणवत्तापूर्ण बनाया जाएगा और इनका सुदृढ़ीकरण होगा।

समुदाय को होगा फायदा

सीएमओ ने बताया कि एनक्वास और आईपीएचएस का मूल्यांकन 1500 बिंदुओं के चेकलिस्ट पर होता है। इनपुट और प्रॉसेस के दृष्टीकोण से सीएचसी में और सुधार होगा तो लोग गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त कर सकेंगे। सीएचसी को कोविड जैसी महामारी का सामना करने में सक्षम भी बनाया जाएगा।

पेट्रोलियम मूल्य वृद्धि के खिलाफ किया प्रदर्शन

बस्ती। शुक्रवार को अनुसूचित जाति विभाग कांग्रेस के जिलाध्यक्ष वृजेश कुमार आर्य के नेतृत्व में बनकटी विकास खण्ड के पंखोबारी के निकट पेट्रोलियम पदार्थों, रसोई गैस मूल्य वृद्धि के विरोध में हाथों में तख्तियां लेकर प्रदर्शन किया गया। वृजेश कुमार आर्य ने कहा कि भाजपा की सरकार गरीबों, मध्यम वर्ग पर कहर ढा रही है। डीजल, पेट्रोल, रसाई गैस की मूल्य वृद्धि से आम आदमी त्रस्त है। कोरोना काल में लोग पहले से ही कई संकटों का सामना कर रहे हैं, मंहगाई ने उनकी मुश्किलें बढा दी है। मांग किया कि मूल्य वृद्धि वापस कर पेट्रोलियम पदार्थों को जीएसटी के दायरे में लाया जाय। प्रदर्शन करने वालों में मुख्य रूप से जितेन्द्र कुमार गौतम, मुकेश कुमार, अंकित कुमार, संजय कुमार, रविन्द्र राना, विजय गौतम आदि शामिल रहे।

चौमुखा गौरीपुर से दो नाबालिक लड़कियां घर से निकली पुलिस 1 घंटे में लेहड़ा मंदिर से किया बरामद

गोरखपुर/कैंपियरगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत दो नाबालिक लड़कियां घर से बगैर बताए दिन में 11 बजे घूमने निकल गई परिजन परेशान होकर शाम को 6 बजे कैंपियरगंज पुलिस को सूचना दिए थाना प्रभारी कैंपियरगंज तत्परता दिखाते हुए अपने वरिष्ठ अधिकारियों को लड़कियों के गायब होने की सूचना देते हुए अवगत कराया पुलिस अधीक्षक उत्तरी मनोज कुमार अवस्थी ने थाना प्रभारी नीरज सिंह को भीड़भाड़ स्थानों और दार्शनिक स्थलों पर नाबालिक लड़कियों को ढूंढने को कहा जिन लड़कियों को लेहड़ा मंदिर से पुलिस ने किया बरामद।

कैंपियरगंज थाना क्षेत्र के ग्राम सभा चौमुखा टोला गौरीपुर से दो लड़कियां चंदा पुत्री झीनक उम्र करीब 10 वर्ष तथा रोशनी पुत्री संतोष उम्र करीब 14 वर्ष दोपहर में करीब 11 बजे अपने घर से बगैर बताए कहीं चली गई है उक्त के संबंध में जानकारी शाम को करीब 6 बजे पुलिस को दी गई सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक कैंपियरगंज ने उच्च अधिकारीगण को अवगत कराते हुए उनके कुशल मार्गदर्शन मे तत्काल टीम गठित कर सर्विलांस टीम गोरखपुर की मदद से दोनों नाबालिक लड़कियों को 1 घंटे के अंदर लेहड़ा मंदिर थाना बृजमनगंज महाराजगंज से सकुशल बरामद कर राहत की सांस लेते हुए परिजनों को सुपुर्द किया।

अश्लील गीतों पर रोक के लिए कानून बने -राकेश श्रीवास्तव

गोरखपुर/उत्तर प्रदेश में सेंसर बोर्ड की स्थापना एवं भोजपुरी में अश्लीलता पर रोक लगाने हेतु राकेश श्रीवास्तव सदस्य संगीत नाटक एकेडमी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भोजपुरी एसोसिएशन ऑफ इंडिया भाई ने माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी को फैक्स के जरिए पत्र भेजकर अनुरोध किया। भोजपुरी एक समृद्ध भाषा है कुछ व्यवसायिक गायक एवं लेखक भोजपुरी भाषा को काफी बदनाम कर रहे हैं जो कि उचित नहीं है अश्लीलता के प्रतियोगिता में भाषा की सारी हदें पार हो रही है इस कारण आपस में वैमनस्यता एवं विवाद भी हो रहा है इस पर तत्काल कानून बना कर रोक लगनी चाहिए । राकेश श्रीवास्तव ने सभी भोजपुरी गायकों से यह अनुरोध किया है कि वह वे अपनी भाषा के साथ अत्याचार ना करें और अपनी लोक परंपरा को समृद्ध करें।

निर्यात की बढ़ती संभावनाएं

पिछले तीन महीनों से भारतीय वस्तुओं के निर्यात का आंकड़ा उत्साहवर्द्धक रहा है. मार्च, अप्रैल और मई में क्रमशः 34, 30 और 32 अरब डॉलर मूल्य का निर्यात हुआ है. ये आंकड़े पिछले साल के इन तीन महीनों की तुलना में बड़ी छलांग हैं. इसकी मुख्य वजह यह है कि पिछले साल मार्च में पूरी दुनिया लॉकडाउन में चली गयी थी और सामानों की आवाजाही में भारी कमी आयी थी. इसलिए वर्तमान स्थिति की तुलना कोरोना महामारी के दौर के पहले से करना उचित होगा. दिलचस्प है कि लगभग आठ प्रतिशत बढ़ोतरी के साथ मई, 2021 के निर्यात आंकड़े मई, 2019 से भी अधिक हैं. यदि यह गति जारी रही, तो वस्तुओं के निर्यात के लिए अच्छी स्थिति होगी, जो आर्थिक वृद्धि का एक अहम आधार है. घरेलू मांग की पूर्ति से कहीं अधिक शोधन क्षमता होने के कारण भारत शोधित पेट्रोल और डीजल का बड़ा निर्यातक है. निर्यात होनेवाली वस्तुओं में लगभग 20 फीसदी हिस्सा शोधित पेट्रोल और डीजल का है. इस निर्यात का एक बड़ा अहम हिस्सा- कच्चा तेल- पूरी तरह आयात पर निर्भर है. यही स्थिति जवाहरात और आभूषण के मामले में भी है. बिना कटे हुए हीरे व अन्य कीमती पत्थरों का आयात होता है और उनकी कटाई कर व आभूषण बना कर निर्यात किया जाता है. भारत इन वस्तुओं का बड़ा निर्यातक है और पेट्रोलियम उत्पादों की तरह इनसे भी डॉलर अर्जित किया जाता है, लेकिन ये दोनों तरह के निर्यात वैश्विक अर्थव्यवस्था की स्थिति पर निर्भर करते हैं.उदाहरण के लिए, आर्थिक गिरावट के दौरान कीमती पत्थरों और आभूषणों की मांग स्वाभाविक रूप से घटेगी, क्योंकि उपभोक्ताओं में उत्साह नहीं होगा, लेकिन स्टॉक मार्केट में उछाल के साथ अगर धन बढ़ रहा है, तो विलासिता की वस्तुओं की मांग भी बढ़ेगी.बहरहाल, अगर हम इन दो तरह के निर्यातों को अलग भी कर दें, तब भी निर्यात में देश का प्रदर्शन बढ़िया है. यह अनाज, जूट और अन्य रेशों जैसे कृषि उत्पादों, इलेक्ट्रॉनिक सामानों,

रसायनों, लौह अयस्क, धातु उत्पादों तथा वस्त्रों के कारण है. निश्चित रूप से अत्यधिक संभावनाओं और वृद्धि वाले क्षेत्रों को समझने के लिए आंकड़ों का गहन अध्ययन जरूरी है. आर्थिक बढ़ोतरी के ईंजन को चार कारकों से आगे बढ़ाया जा सकता है.ये चार कारक हैं- उपभोक्ता, निवेश (मसलन, नयी फैक्ट्रियों के बनने से आनेवाली मांग), सरकारी खर्च (राजमार्गों या ग्रामीण रोजगार योजना जैसी पहलों पर) तथा निर्यात (यानी भारतीय वस्तुओं व सेवाओं पर विदेशियों द्वारा खर्च). वर्तमान में जब देश महामारी की दूसरी लहर का सामना कर रहा है, उपभोक्ता और निवेश की भावनाएं कमजोर हैं. यह बात रिजर्व बैंक की हालिया रिपोर्ट और विभिन्न औद्योगिक संगठनों के सर्वेक्षणों से भी इंगित होती है.निवेश मांग को समझने का एक जरिया बैंक ऋण में वृद्धि है, जो महज पांच फीसदी है. आठ फीसदी के स्वस्थ आर्थिक वृद्धि के लिए इस ऋण में लगभग 25 फीसदी की बढ़त होनी चाहिए. निश्चित रूप से, 'भावना' जितनी आर्थिकी का मामला है, उतना ही मनोविज्ञान से जुड़ा है. नीति, वित्तीय प्रोत्साहन, टीकाकरण की प्रगति, अच्छा मॉनसून तथा इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च में बढ़त के सही जोड़ से भावना तुरंत सकारात्मक भी हो सकती है. भारतीय स्टॉक बाजार में माहौल उत्साहपूर्ण है और हर सप्ताह बाजार नयी ऊंचाई छू रहा है. संभव है कि स्टॉक मार्केट आज से सालभर बाद एक मजबूत अर्थव्यवस्था की संभावना देख रहा है, लेकिन शेयर बाजार में बढ़त रिजर्व बैंक की उदार मौद्रिक नीति की वजह से उपलब्ध अत्यधिक नगदी के कारण भी है. नगदी की आपूर्ति में इतनी तरलता और बढ़ोतरी से स्टॉक बढ़ना निश्चित है. यह उल्लेख करना महत्वपूर्ण है कि जब स्टॉक मार्केट बढ़ता है, तो यह उन लोगों की संपत्ति में वृद्धि करता है, जो आय के पैमाने पर ऊपर हैं. इससे विषमता की खाई और बढ़ सकती है, क्योंकि आर्थिक गिरावट से गरीबों की आमदनी अभी भी रुकी हुई है.देश के बाहर स्थिति बिल्कुल दूसरी है. दुनिया की दो बड़ी अर्थव्यवस्थाओं- अमेरिका और चीन- में बहुत मजबूत बढ़त है. यह दो कारणों से है. एक है वैक्सीन आशावाद. टीकाकरण की गति तेज है और आबादी के बड़े हिस्से को खुराकें दी जा चुकी हैं. दूसरी वजह ठोस वित्तीय प्रोत्साहन है. पिछले साल अमेरिका में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 15 फीसदी हिस्सा प्रोत्साहन में दिया गया था और इस साल उससे भी अधिक राशि देने की आशा है. चीन में भी ऐसा बड़ा प्रोत्साहन दिया गया है, लेकिन उसकी मंदी उतनी गंभीर नहीं थी. इन कारकों से वैश्विक आर्थिकी में लगभग 35 ट्रिलियन डॉलर हिस्सेदारी की ये दो अर्थव्यवस्थाएं कम-से-कम पांच फीसदी या इससे अधिक की दर से बढ़ेंगी. भारत का आर्थिक आकार इसका दसवां हिस्सा है. सो, अमेरिका और चीन को मिलाकर पांच फीसदी वृद्धि दर भारत के 50 फीसदी वृद्धि दर के बराबर है. यह उच्च आधार का असर है. यह वहां की समेकित मांग का पैमाना है.अचरज नहीं कि आपूर्ति में बाधाएं दिखने लगी हैं. लागत बढ़ रही है. ब्लूमबर्ग सामग्री मूल्य सूचकांक पिछले साल से करीब 60 फीसदी ऊपर है. चीन की मांग के कारण लौह अयस्क की कीमतें करीब 250 डॉलर हो चुकी हैं. एक टन इस्पात का दाम 1000 डॉलर पहुंच गया, जो अभूतपूर्व है. विश्व व्यापार की गति को जहाजरानी के खर्च में देखा जा सकता है. थोक ढुलाई मूल्य बीते साल से 700 फीसदी अधिक हैं.सवाल यह है कि क्या भारत इस निर्यात संभावना का लाभ उठाने के लिए तैयार है. यदि वैश्विक वस्तु व्यापार में भारत का हिस्सा अभी के 1.5 फीसदी से बढ़कर तीन फीसदी भी हो जाता है, जो तुरंत हासिल किया जा सकता है, तो हमारा सालाना निर्यात करीब 600 अरब डॉलर का हो जायेगा. इसे साकार करने के लिए निर्यात को बढ़ावा देनेवाली योजनाओं को लागू करना होगा.निर्यात से जुड़े करों व शुल्कों की वापसी की योजना में छह माह की देरी हो चुकी है. वस्तु एवं सेवाकर (जीएसटी) के रिफंड में देरी अब भी समस्या है. आयात शुल्क अधिक होने से वैसे निर्यातकों को परेशानी हो रही है, जो आयातित तत्वों का इस्तेमाल करते हैं. अधिक विनिमय दर भी एक अवरोध है. हमें आक्रामकता के साथ स्वागत करना चाहिए और भारतीय भूमि पर वैश्विक मूल्य श्रृंखला स्थापित करनी चाहिए. इन सुधारों के अभाव में हम फिर एक बार अवसर से चूक जायेंगे. हमें पड़ोसी बांग्लादेश से सीखना चाहिए, जो इस अवसर की सवारी का आनंद उठा रहा है.

संपादकीय

भाषा का समाजशास्त्र

भाषा का समाजशास्त्र दिलचस्प है. समाज की नजर में जो कुछ भी उच्च है, वहां से जरा सा भी इधर-उधर होना (विचलन) समाज सहन नहीं करता. इससे पहले कि इस 'विचलन' को किसी अन्य शब्द से अभिव्यक्त किया जाये, सीधे-सीधे उच्चता की उस अभिव्यक्ति का ही अर्थापकर्ष कर दिया जाता है. अध्यापक की अर्थवत्ता वाले किन्हीं शब्दों पर गौर करें, यही प्रवृत्ति देखने को मिलेगी.'गुरु' अब चतुर, चालाक, धूर्त के अर्थ में प्रयुक्त होता है. यही बात 'उस्ताद' के साथ है. मठाधीश, महंत, स्वामी, बाबा, चेला, भक्त, अफसर, पंच, बाबू, मास्टर, नेता, पहलवान, जादूगर, बाजीगर, ओझा, पंडित आदि शब्द इसी कतार में हैं. यह जो गिरावट है, दरअसल सामाजिक विसंगति, व्यंग्य की अभिव्यक्ति है. सामाजिक बदलावों के शिलालेख बाद में तराशे जाते हैं, बदलाव पहले भाषा में दर्ज होता है. लगता है साहित्य की तमाम विधाएं बहुत बाद में जन्मीं किंतु व्यंग्य का जन्म भाषा के विकासक्रम में सबसे पहले हुआ होगा. व्यंग्य बोली-संवाद का भी विषय है, साहित्य की अनेक मर्यादाएं हैं. भाषा का बुनियादी मकसद मन की बात लिख या बोल कर बताना है. कहने या लिखने का ऐसा ढंग जिसमें कही गयी बात से हट कर कुछ और अर्थ निकलता हो, उसे व्यंजना कहते हैं. दरअसल यही व्यंग्य है. इसी रूप में भाषा सर्वाधिक सफल है. 'रहने दो, तुमसे नहीं हो पायेगा', इस वाक्य में छिपे व्यंग्य को अगर कोई समझ ले तो दरअसल उसे करने से रोका नहीं जा रहा है, बल्कि करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है. मुहावरे, लोकोक्तियां, कहावतें वगैरह बोली-संवाद की देन हैं. व्यंग्य में हास्य अनिवार्य तत्व नहीं है. समाज जितना संवेदनशील होगा, उतना ही प्रतिक्रियावादी भी होगा. व्यंग्य भी प्रतिक्रिया से ही जन्म लेता है. भारतीय समाज में गहन संवेदनशीलता का गवाह वैदिक साहित्य है, इसीलिए प्राचीन भारतीय साहित्य में व्यंग्य कम नहीं. शूद्रक का मृच्छकटिक तो व्यंग्य नाट्य ही है.कभी धर्म-कर्म से जुड़ी शब्दावली का आधिक्य था. कभी युद्ध से जुड़ी शब्दावली प्रमुख थी. किसी दौर में राज-व्यवहार या व्यापार-वाणिज्य की शब्दावली प्रमुख थी. एक वक्त ऐसा था, जब मुंबइया फिल्मों के असर में भाषा प्रभावित होती थी. अब राजनीति ने अधिकांश स्पेस का अतिक्रमण कर लिया है. बोलचाल की भाषा में ऐसे तमाम पद-सर्ग प्रभावी तौर पर शामिल हैं. मिसाल के तौर पर 'खेल' अब हिंदी की राजनीतिक शब्दावली है.'बिगाड़ के डर से ईमान की बात न कहने की वृत्ति' की ओर प्रेमचंद ने नौ दशक पहले इशारा किया था. किसी जमाने में 'जान पर खेल जाना' बहादुरी उजागर करने वाला मुहावरा था. 'हौसले पर खेल जाने' की नजीरें होती थीं. अब श्खेल कर दियाश् जैसे नये मुहावरे सामने हैं. 'खेल' वह जो सर चढ़ कर बोले, मगर अब 'खेल' वह है, जो किसी को नजर न आए. कई खेल जब बिगड़ जाते हैं, तो तमाशा साबित हो जाते हैं. चुनाव अब भी जंग है, मगर उसे खेल, सर्कस, कुंभ, मेला या तमाशा तक कहा जा रहा है.हिंदी में ऐसे तमाम पद, संज्ञा अथवा शब्दयुग्म बरते जा रहे हैं जो अभिधेय होने के साथ-साथ व्यंजना के स्तर पर महत्वपूर्ण हो उठे हैं. पहले 'गुरु' ही शिक्षक होते थे. बृहस्पति, वशिष्ठ, विश्वामित्र, द्रोणाचार्य, सांदीपनि, चाणक्य आदि, किंतु अब गुरु शब्द में गुरुता का लोप हो गया. शिक्षक के अर्थ में गुरु का तात्पर्य यही कि जिसमें गुरुता हो वही गुरु है. अब 'गुरु' शब्द का अर्थ चतुर, चालाक, धूर्त, चलता-पुर्जा हो गया है.'बहुत गुरु आदमी है' इस वाक्य में किसी शिक्षक की प्रशंसा नहीं बल्कि किसी चतुर-चालाक व्यक्ति का हवाला है. यूं देखें तो अर्थापकर्ष चाहे न हुआ हो पर 'छिच्छक' जैसा उच्चार शिक्षक को दयनीय अथवा हीन साबित करने के प्रमाण हैं. 'मास्टर साहब' कहीं माट्साब, कहीं माड़साब बनकर गुरुकुल संस्था पर व्यंग्य बन कर चिपका है. यही बात उस्ताद के साथ है. औलिया, पीर, मठाधीश, महंत, स्वामी, बाजीगर, ओझा, पंडित, मास्टर, अफसर, पंच, बाबू, नेता, पहलवान समेत चेला और भक्त आदि शब्द इसी कतार में हैं.अनेक शब्द अपनी मूल अभिव्यक्ति से इतने दूर आ जाते हैं कि उन्हें बरतते हुए ऐसा लगता नहीं कि हम अन्यार्थ बरत रहे हैं, मूलार्थ नहीं. पाखंड किसी जमाने में परिव्राजकों (घर परिवार छोड़ कर ज्ञान की खोज में चलनेवालों का समूह, सन्यासी आदि) का पंथ था. आज पाखंडी किसे कहते हैं, यह सब जानते हैं.'रास' रचाना पहले कुछ और था, बाद में इसका अभिप्राय आमोद-प्रमोद से जुड़ गया. आज 'गोरखधंधा' का सामान्य अर्थ उलटे-सीधे कामों के संदर्भ में ज्यादा होता है. दरअसल, यह नाथपंथी सिद्ध योगियों की शब्दावली से निकला पद है. अपने मूल रूप में गोरखधंधा ध्यान केंद्रित करने का यंत्र था.गुरुओं की अपनी अलग धंधारी होती थी. गोरखनाथ की धंधारी अनोखी थी, इसीलिए उनके पंथ में इस धंधारी का नाम 'गोरखधंधा' प्रसिद्ध हुआ. बाद में गोरखधंधा शब्द जटिल और उलझाऊ क्रिया के लिए रूढ़ हुआ. गोरखनाथ की धंधारी अद्भुत थी, इसलिए साधक को चक्कर में डालने वाली सिद्धि प्रक्रिया के बतौर इसका प्रयोग शुरू हुआ होगा. अब तो उन शब्दों की सूची भी बनायी जा सकती है जो जल्दी ही इस कतार में जुड़नेवाले हैं. अब कांवड़िया, वामपंथी, कांग्रेसी, भाजपाई, संघी, जज, मेंबर, पत्रकार, लेखक, कवि, साहित्यकार, वंदना, प्रणाम जैसे शब्द इसमें जुड़नेवाले हैं. इसके अलावा खेल, गेम, समीकरण जैसे अनेक शब्द और हैं.

भइ गति सांप छछूंदर केरी

अभी कुछ महीनों पहले तक कोई कहता कि देश का सबसे बड़ा राज्य उत्तर प्रदेश अपने विधानसभा चुनाव वाले वर्ष में देश ही नहीं, दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी भाजपा और उसके पितृसंगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के गले की फांस बन जायेगा-प्रदेश में उनकी भारी बहुमत वाली सरकार होने के बावजूद-तो कोई मानने को तैयार न होता। भले ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ में जिस खुन्नस की चर्चा इन दिनों आम है, उसके बीज गत जनवरी में ही पड़ गये थे, जब मोदी ने अपने सबसे विश्वस्त नौकरशाहों में से एक अरविन्द कुमार शर्मा को स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति दिलवाकर लखनऊ भेजा और विधान परिषद सदस्य चुनवाया, लेकिन योगी ने उन्हें मंत्री पद दिलवाने की उनकी कोशिशों को न सिर्फ धता बता दी बल्कि सद्भाव के वातावरण में उनसे मिलना भी गवारा नहीं किया। फिर भी भाजपा की संभावनाओं को लेकर जैसे संदेह अब उसके शुभचिन्तकों तक की ओर से जताये जा रहे हैं, तब उनके द्वारा भी नहीं जताये जाते थे, जो उसे फूटी आंखों भी देखना पसन्द नहीं करते। इसलिए कोरोना की दूसरी लहर से निपटने में मोदी व योगी दोनों सरकारों के सर्वथा विफल रहने के बाद की पृष्ठभूमि में अगले साल होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारियों के नाम पर भाजपा व संघ में चल रही कवायदें दाग देहलवी की एक बेहद लोकप्रिय गजल के दो शेश्र याद दिला रही हैं - उज्र आने में भी है और बुलाते भी नहींध् बाइस-ए-तर्क-ए-मुलाकात बताते भी नहींध्खूब परदा है के चिलमन से लगे बैठे हैंध्साफ छुपते भी नहीं सामने आते भी नहीं। उनके इस तरह न साफ छुपने, न ही सामने आने का ही परिणाम है कि जरा-जरा सी बात पर तरह-तरह की अटकलों का बाजार गरम हुआ जा रहा है और उन्हें रोकने की सारी कोशिशें नाकाम हुई जा रही हैं।

ये अटकलें कभी फैलकर नेतृत्व परिवर्तन यानी योगी को मुख्यमंत्री व स्वतंत्र देव सिंह को पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पदों से हटाने तक पहुंच जाती हैं और कभी योगी मंत्रिमंडल के विस्तार की संभावनाओं तक सिकुड़ जाती हैं, जिसमें कुछ श्नालायकश् मंत्रियों को हटाया व अरविन्द कुमार शर्मा को समायोजित किया जाना है और योगी जिसके बहुत अनिच्छुक हैं। गौरतलब है कि ये अटकलें पिछले दिनों तब जोर-शोर से शुरू हुई जब भाजपा के प्रदेश प्रभारी राधामोहन सिंह राष्ट्रीय महामंत्री बीएल संतोष के साथ प्रदेश में पार्टी व सरकार की नब्ज टटोलने आये। मंत्रियों व कार्यकर्ताओं के साथ गुपचुप यानी बन्द कमरों तक की बैठकों के बाद वे दिल्ली लौट गये और वहां पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व महासचिवों की बैठक व संघ के मंथन से श्शांतिश् या कि श्युद्धविरामश् का संदेश दिया गया तो अटकलें थोड़ी थमीं जरूर लेकिन गत रविवार को जैसे ही राधामोहन सिंह ने राज्यपाल आनन्दीबेन पटेल और विधानसभाध्यक्ष हृदयनारायण दीक्षित से भेंट की और कहते हैं कि राज्यपाल को कोई बन्द लिफाफा दिया, और जोर पकड़ गई। अलबत्ता, अब उनका स्वरूप थोड़ा बदल गया है क्योंकि अटकलें लगाने वालों को अब योगी को हटाये जाने की कोई संभावना नजर नहीं आ रही। इसके तीन बड़े कारण हैं। पहला यह कि पार्टी को लगता है कि विधानसभा चुनाव में अब इतना कम समय बचा है कि नेतृत्व परिवर्तन का कोई लाभ नहीं होने वाला-उलटे नुकसान हो सकता है। क्योंकि मंत्रियों, विधायकों और कार्यकर्ताओं में घोर असंतोष और जातिवाद बरतने व कानून व्यवस्था दुरुस्त न रख पाने के अनेक आरोपों के बावजूद योगी परस्पर सहमति से हटने वाले नहीं हैं और जबरन हटाये जाने पर चुप नहीं बैठने वाले। दूसरा कारण यह कि हालात श्इधर कुआं तो उधर खाईश् वाले मोड़ तक जा पहुंचे हैं, जिनके मद्देनजर नेतृत्व परिवर्तन करने से भी पार्टी का नुकसान ही होना है और न करने से भी। इसलिए उसमें एक विचार यह भी है कि जब नये नेतृत्व को चुनाव तक अपनी नई छवि गढ़ने भर को मौका नहीं मिलने वाला तो पुराने को हटाकर उसकी नाराजगी का जोखिम ही क्यों उठाया जाये? प्रधानमंत्री ने जनवरी में अरविन्द कुमार शर्मा को लखनऊ भेजा तो परिवर्तन की कवायदों के मद्देनजर वक्त थोड़ा उपयुक्त जरूर था, लेकिन अब उसे गंवाया जा चुका है। तीसरा और सबसे महत्वपूर्ण कारण, जो योगी समर्थकों द्वारा आगे किया जा रहा है, यह है कि कोरोना से निपटने में विफलता के नाम पर उत्तर प्रदेश में नेतृत्व परिवर्तन किया जाए तो केन्द्र में क्यों न किया जाए? केन्द्र सरकार ने ही कोरोना को कौन बड़ी सफलता से निपटाया है? फिर योगी ने बतौर मुख्यमंत्री खुद को वैसे ही तो बनाया है जैसे प्रधानमंत्री के तौर पर नरेंद्र मोदी हैं। मंत्रियों और विधायकों की हैसियत उनके यहां भी वैसी ही है जैसी मोदी के यहां। नौकरशाहों के जरिए यहां भी सरकार चल रही है, केंद्र में भी।इन कारणों के चलते भी कई स्तरों पर श्सामने आते नहींश् की रणनीति अपनाई जा रही है। क्योंकि माना जा रहा है कि पार्टी की अन्दरूनी लड़ाई बाहर आई तो दूसरे दलों से सहयोग के समीकरण बनाने में भी बाधाएं आयेंगी, पार्टी द्वारा अन्दरखाने जिनकी कोशिशें की जा रही हैं। मिसाल के तौर पर मायावती का रुख कितना भी अनुकूल क्यों न हो, वे ऐसी पार्टी का साथ क्यों देना चाहेंगी, जिसमें लखनऊ से दिल्ली तक जूतमपैजार मचा हुआ हो?

फिर भी उसके दुर्भाग्य से इतनी बदमजगी बाहर आ चुकी है कि इन पंक्तियों के छपते-छपते योगी के मंत्रिमंडल के विस्तार की तारीख तय हो जाये या वह सम्पन्न हो जाये तो भी वह शायद ही एक टीम के तौर पर संगठन से समन्वय बरतकर काम कर पाये। राधामोहन द्वारा योगी के कामकाज की मुक्त कंठ से प्रशंसा के बावजूद यह पूछा जाना नहीं ही रुका है कि उसके पीछे क्या है? पार्टी के बार-बार श्सब कुछ ठीक हैश् कहने के बावजूद कुछ भी ठीक न होने के संदेह थमने को नहीं आ रहे। यह कहने वाले भी कम नहीं हैं कि उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की संगठन में प्रदेश अध्यक्ष पद पर वापसी भरपूर चर्चाओं के बावजूद इसलिए संभव नहीं हो पाई, क्योंकि मुख्यमंत्री उनके जैसे कद्दावर को उस पद पर नहीं देखना चाहते थे, भले ही गैरयादव पिछड़ों से धोखे का आरोप पार्टी पर और चस्पां हो जाए।निष्कर्ष साफ है- प्रदेश का गर्मागर्म राजनीतिक माहौल मंत्रिमंडल विस्तार व संगठन में फेरबदल के रास्ते शांत पड़ जाये तो भी उसकी शांति की अवधि को लेकर आशंकाएं बनी रहेंगी, क्योंकि पार्टी फिलहाल, प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के मनों के बीच की गांठें खोलने में विफल रही है। मजबूरी में वह जिस लीपापोती में लगी है, उससे लगता है कि हाथी के बाहर निकल आये दांतों को अन्दर करने की असंभव कोशिश कर रही है। इसीलिए न पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं में एकजुटता का विश्वास पैदा कर पा रही है, न ही आम लोगों में।

जहां तक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की बात है, यह मानने के भी एक नहीं कई कारण हैं कि उसे योगी और मोदी दोनों से ज्यादा अपने हिन्दुत्व के एजेंडे की फिक्र है। इस लिहाज से उत्तर प्रदेश में योगी और उनकी सरकार के भविष्य को लेकर द्रविड़ प्राणायाम का एक अर्थ यह भी है कि उसको उनके महानायकत्व पर भरोसा नहीं रह गया है। हां, इस भरोसे के न रह जाने का एक कारण पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजे भी हैं।

बढ़ती बेरोजगारी और गिरती विकास दर, वजह सिर्फ कोरोना नहीं

पिछली मई महीने में देश में बेरोजगारी दर 12.4 फीसदी दर्ज की गई है। अप्रैल 2021 की तुलना में यह 4 फीसदी से अधिक है। यानि मई 2021 में देश में जो बेरोजगारी दर 12 फीसदी से ऊपर पहुंच गई है, वह अप्रैल 2021 में 8 फीसदी थी। मई 2021 में बेरोजगारी दर अप्रैल की तुलना में 4 फीसदी अधिक होने के लिए यदि अनेक राज्यों के लॉकडाउन को जिम्मेदार माना जायेगा तो मार्च में लॉकडाउन की स्थिति बहुत कम थी। फिर भी अप्रैल में बेरोजगारी दर 8 फीसदी रही। इसका तात्पर्य यह है कि देश में बेरोजगारी दर लगातार बढ़ रही है, और महत्वपूर्ण बात यह है कि इसकी वजह सिर्फकोरोना नहीं है। जैसा कि अमूमन सरकार एवं उसके नुमांइदों द्वारा कहा जा रहा है कि यह स्थिति कोरोना की वजह से है।

सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इॅकोनामी यानि सीएमआईई की नवीनतम रिपोर्ट जो पिछले 3 जून को जारी की गई है, के अनुसार अप्रैल में बेरोजगारी दर 7.97 फीसदी थी जो कोरोना की दूसरी लहर के लॉकडाउन के कारण मई में बढ़कर 12.4 फीसदी हो गई है। मई में देश के शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी दर 14.73 एवं ग्रामीण क्षेत्रों में 10.63 फीसदी रही। मई में डेढ़ करोड़ लोगों की नौकरी गई है। मई में देश की आर्थिक-वित्तीय सेहत के प्रति उपभोक्ताओं की चिंताओं, उम्मीदों एवं प्रत्याषाओं में भी गिरावट दर्ज की गई है। अब देश का कंज्यूमर सेंटिमेंट्स इंडेक्स 47.5, कंज्यूमर एक्सपेक्टेशन इंडेक्स 49.9 एवं करंट इकानॉमिक कंडीशन इंडेक्स 43.9 है, जो दुनिया के विकसित देशों की तुलना में लगभग आधी है। वित्तवर्ष 2020-21 पिछले चार दशकों में अर्थव्यवस्था की सबसे बड़ी गिरावट का साल रहा है। केन्द्रीय सांख्यिकी और क्रियान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार 2020-21 में देश की जीडीपी यानि सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर यानि ग्रोथ रेट में 7.3 फीसदी कमी आने के संकेत हैं। इसका तात्पर्य है कि 2020-21 में देश की जीडीपी ऋणात्मक रही है, और यह 1979-80 की गिरावट -5.2 फीसदी से भी अधिक -7.3 फीसदी है। 1979-80 में जीडीपी में गिरावट का बड़ा कारण देशभर में सूखा एवं पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में बढ़ोतरी को बताया जाता है। 2020-21 का बड़ा कारण कोरोना महामारी के कारण लंबी अवधियों तक लॉकडाउन है। पिछले 40 सालों में अर्थव्यवस्था की सबसे बड़ी गिरावट का प्रमुख कारण भले ही कोरोना तालाबंदी है, लेकिन अर्थव्यवस्था में गिरावट की शुरूआत 2017-18 से ही होने लगी थी। 2019- 20 में जीडीपी ग्रोथ रेट 4.2 फीसदी थी। यह 11 साल में सबसे कम ग्रोथ रही थी। इससे पहले 2018-19 में यह 6.12 फीसदी, 2017-18 में 7.04 फीसदी और 2016-17 में यह 8.26 फीसदी रही थी। जीडीपी में गिरावट के कारण देश में प्रति व्यक्ति आय में गिरावट दर्ज की गई है। 2019-20 की तुलना में 2020-21 में प्रति व्यक्ति आय में 8.24 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। 2019-20 में देश के नागरिकों की प्रति व्यक्ति आय 1,08,645 रुपये थी जो 2020-21 में 8,951 रुपये गिर कर 99,694 रुपये रह गई है। इसका मतलब यह है कि अब देश के नागरिकों की क्रय शक्ति आने वाले सालों में और घट जायेगी, जिससे बाजार की मांग पर इसका ऋणात्मक असर पड़ेगा।

तात्पर्य यह है कि वर्तमान वित्त वर्ष 2021-22 में भी जीडीपी में गिरावट का यह दौर जारी रह सकता है।इस गिरावट का प्रमुख कारण भले ही कोविड-19 को माना जा रहा है, लेकिन 2016 की नोटबंदी और फिर 2017 से बहुत ऊंची कर दरों के साथ जीएसटी लागू होना इसके पीछे के बड़े कारण हैं। 2020-21 की पहली दो तिमाहियों में मंदी (-24.4 और -7.4 प्रतिशत) दर्ज की गई। इसी तरह, तीसरी और चौथी तिमाही में भी कोई खास सुधार नहीं हुआ। इसके बावजूद सरकार की तरफ से अर्थव्यवस्था में सुधार के लिए कोई ठोस काम नहीं किया गया। केवल कागजी राहत पैकेजों की घोषणा एवं जुमलेबाजी में आर्थिक सुधार की बातें होती रहीं जिसका नतीजा यह

रहा कि 2020-21 में अर्थव्यवस्था में -7.3 फीसदी की बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। जबकि इसी अवधि में बांग्लादेश में जीडीपी की वृद्धि दर 9 फीसदी से अधिक दर्ज हुई है। अर्थव्यवस्था को सुधारने के लिए बड़े अर्थशास्त्रियों द्वारा अनेक सकारात्मक सुझाव दिये गये लेकिन सरकार ने किसी की एक नहीं सुनी जिसका परिणाम सबके सामने है। अर्थव्यवस्था के प्रोत्साहन के लिए सरकारी खर्चों में वृद्धि, नई नियुक्तियां, गरीबों को सीधा नकद हस्तांतरण, मनरेगा में फंडिंग बढ़ाने, मुफ्त राशन का उदार वितरण जैसे अनेक सुझाव शामिल हैं, लेकिन सरकार ने सभी अच्छी सलाह को खारिज कर दिया। सरकार द्वारा आर्थिक सुधारों के वैश्विक अनुभवों की उपेक्षा की गई। राजकोषीय विस्तार और नकद हस्तांतरण के सुझावों को सरकार ने ठुकरा दिया और आत्मनिर्भर भारत जैसे खोखले नारों के बदौलत सुधार की बात की गई।सार यह है कि आर्थिक सुधार एवं अर्थव्यवस्था के मामले पर लगातार मात खाने या चूक होने के पीछे सरकार की अदूरदर्शितापूर्ण, अज्ञानतापूर्ण और अपरिपक्वतापूर्ण नीतियां, योजनाएं एवं कार्यक्रम जिम्मेदार हैं। आने वाले समय में सरकार यदि अपनी आर्थिक सोच, विचारधारा एवं नीतियों में आवश्यक बदलाव एवं सुधार नहीं करती है तो यकीन मानिए अर्थव्यवस्था में और बड़े झटके आयेंगे, जिसकी भरपाई अंततरू देश के नागरिकों को करनी पड़ेगी। उल्लेखनीय है कि पिछले चार दशकों में अर्थव्यवस्था में यह जो सबसे बड़ी गिरावट आई है, एवं पिछले पांच-सात सालों से बेरोजगारी दर में जो लगातार बढ़ोतरी हो रही है, उसकी वजह केवल कोरोना नहीं है। इसकी वजह सरकार की नीतियां, योजनाएं एवं कार्यक्रम हैं। इसकी वजह सरकार की सोच एवं सरकार का एजेण्डा है। देश की आर्थिक चिंताओं एवं चुनौतियों की लगातार उपेक्षा एवं अनदेखी करते हुए सरकार अपने राजनीतिक एजेण्डों को पूरा करने में लगी है। इधर अर्थव्यवस्था की लगातार बिगड़ती और खराब होती स्थिति की कीमत नागरिकों को चुकानी पड़ रही है। सवाल है कि यह कीमत और कितनी बड़ी होगी और कब तक चुकानी पड़ेगी? इस वक्त इससे भी बड़ा सवाल यह है कि क्या देश के लोगों को इस कीमत की लागत एवं इसके मूल्य का अंदाजा भी है?

लॉकडाउन के बाद लोग गोलमाल जैसी फिल्म देखना पसंद करेंगे तुषार कपूर

मुम्बई। निर्देशक रोहित शेट्टी की फिल्म सर्कस की शूटिंग लगभग पूरी हो चुकी है। इसके बाद रोहित अपनी अन्य सुपरहिट फ्रेंचाइजी गोलमाल के काम पर जुटेंगे। अपनी टीम के साथ वह इसके प्री-प्रोडक्शन पर जल्द ही काम शुरू कर देंगे। वैसे भी गोलमाल की अगली किश्त का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है और अब अभिनेता तुषार कपूर ने फिल्म से जुड़ीं अहम जानकारियां साझा की हैं। आइए जानते हैं उन्होंने इस बारे में क्या कुछ कहा। तुषार कपूर ने हाल ही में इंडस्ट्री में 20 साल पूरे भी किए हैं। उन्होंने कहा, कोरोना काल ने सब गड़बड़ किया, वरना 2019 में गोलमाल 5 की घोषणा हुई थी। इसे इसी साल रिलीज किया जाना था, लेकिन लॉकडाउन होने की वजह से जाहिर तौर पर ऐसा नहीं हो पाया। उन्होंने कहा, हालांकि, मुझे यकीन है कि यह एक न एक दिन तो बनेगी। मेरे ख्याल से अगले साल या उसके बाद। तुषार ने आगे कहा, लॉकडाउन के बाद लोग जरूर गोलमाल सीरीज जैसी फिल्म देखना पसंद करेंगे। वह इसलिए कि इस लॉकडाउन में समाज के हर तबके ने कठिनाइयां उठाई हैं। सब तनाव में रहें हैं। लिहाजा कोरोना खत्म होने के बाद लोग हंसी-खुशी वाले माहौल में फिर से जाना चाहेंगे, वो सब इस सीरीज से उन्हें मिलेगा। गोलमाल की पिछली किश्त में हॉरर का कॉन्सेप्ट डाला गया था। इस बार एक्शन का डोज ज्यादा रहेगा। गोलमाल सीरीज की पिछली चारों फिल्में दर्शकों की कसौटी पर खरी उतरी हैं। अब इसके पांचवें पार्ट के जरिए एक बार फिर दर्शकों को हंसी का तगड़ा डोज मिलने वाला है। गोलमाल सीरीज का पहला पार्ट 2006 में रिलीज हुआ था, जिसमें अजय देवगन, अरशद वारसी, तुषार कपूर और शरमन जोशी ने अहम भूमिका निभाई थी। 2008 में गोलमाल रिटर्न्स आई थी। तीसरा पार्ट 2010 में आया और सात साल बाद गोलमाल की चौथी फिल्म गोलमाल अगेन आई थी। तुषार कपूर जल्द ही फिल्म मरीच के साथ दर्शकों के बीच हाजिर होंगे। इस फिल्म में वह पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा रहे हैं। इसमें उनके साथ अनीता हसनंदानी दिखाई देंगी। तुषार के करियर की बात करें तो वह अपने पिता जितेन्द्र और बहन एकता की तरह सफल नहीं हुए। आखिरी बार वह फिल्म सिम्बा में मेहमान भूमिका में नजर आए थे। तुषार ने पिछले साल अक्षय कुमार की फिल्म लक्ष्मी से बतौर निर्माता अपने करियर की शुरुआत की थी।

लूना ने मेरे जीवन में बहुत सारे बदलाव लाए: श्लोका पंडित

नई दिल्ली। अभिनेत्री श्लोका पंडित लॉकडाउन के दौरान अपनी पालतू बिल्ली लूना के साथ काफी समय बिता रही हैं। श्लोका ने कहा, लूना ने मेरे जीवन में बहुत सारे बदलाव लाए हैं। मैं बिना बताए चीजों को समझ सकती हूं। अधिकांश के विपरीत, वह एक बहुत ही स्नेही, शांत और अच्छे स्वभाव वाली बिल्ली है। उसने मुझे बिना शर्त प्यार दिया, और मुझे ज्यादा दयालु बनने और देखभाल करने वाला व्यक्ति बनने में सक्षम बनाया है। वह अपने पालतू जानवर को आज्ञाकारी बच्चा कहती हैं। वो कहती है- मैं सचमुच उसके बिना एक दिन की कल्पना भी नहीं कर सकती। हम एक तरह से दो अच्छे दोस्त हैं। श्लोका टीकाकरण के लिए एक पिच बनाते हुए कहती हैं, आइए सभी दिशानिदेशरें और प्रोटोकॉल का पालन करें। महामारी खत्म होने से बहुत दूर है। जब भी मौका मिले, चलो टीकाकरण करवाएं। अभिनेत्री ने कहा, हाल ही में फिल्म हैलो चार्ली में जैकी श्रॉफ, एलनाज नोरौजी और आधार जैन अभिनीत के साथ दिखी अभिनेत्री ने कहा, हम वायरस के खिलाफ एक कठिन कार्य का सामना कर रहे हैं, लेकिन मुझे यकीन है कि अगर हम प्रोटोकॉल का पालन करते हैं और अपना और दूसरों का ख्याल रखते हैं, तो हम निश्चित रूप से इसे दूर करने में सक्षम होंगे।

स्पा पार्लर में फ्रेंड के साथ मस्ती करती नजर आईं मदालसा शर्मा

मुम्बई। बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती की बहू और टीवी के मोस्ट पॉपुलर शो अनुपमा में काव्या के किरदार में नजर आने वाली मदालसा शर्मा आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। मदालसा अपने फैंस को निराश होने का कोई मौका नहीं देती हैं। कम समय में मदालसा ने अपने फैंस के दिलों में खास जगह बना ली हैं। फैंस उनके लेटेस्ट पोस्ट का बेसब्री से इंतजार करते हैं। फिलहाल तो हाल ही में मदालसा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर ग्लैमरस तस्वीरें शेयर की हैं।

मदालसा शर्मा की ये ग्लैमरस तस्वीरें स्पा की हैं। तस्वीरों में मदालसा के साथ नंदू यानी कि अनघा भोसले बाथरोब में नजर आ रही हैं। दोनों ने ही अपने सिर पर गुलाब का फूल लगा रखा है। इसमें कोई शक नहीं की दोनों की इस तस्वीरों में काफी खूबसूरत दिखाई दे रही हैं। इससे पहले दोनों का पॉपुलर सॉन्ग पिया पिया पर डांस वीडियो वायरल हुआ था। यूजर्स ने जमकर इस वीडियो पर लाइक्स और कमेंट की बौछार की है। मदालसा को भले ही लोग रील लाइफ में इतना पंसद ना करते हों, लेकिन रियल लाइफ में वे अपने फैंस के दिलों पर राज करती हैं। वहीं सीरियल की बात करें तो इस दिनों शो में गजब के ट्विस्ट देखने को मिल रहे हैं। काव्या झावेरी अब काव्या वनराज शाह बन चुकी हैं। काव्या ने जैसे-तैसे अपने वी को हांसिल कर लिया है, लेकिन सीरियल में और भी ज्यादा एक्साइमेंट का सस्पेंस बढ़ा दिया है। आपको बता दें कि मदालसा ने अपने करियर की शुरुआत साल 2009 में तेलुगू फिल्म फिटिंग से की थी। इसके अलावा वे कन्नड़ फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं। मदालसा की शादी मिथुन चक्रवर्ती के बेटे मिमोह चक्रवर्ती के साथ साल 2018 में हुई थी।

ऋतिक रोशन की डेब्यू वेब सीरीज से पीछे हटे मनोज बाजपेयी

नई दिल्ली। एक्टर ऋतिक रोशन की डेब्यू वेब सीरीज 'द नाइट मैनेजर'' से मनोज बाजपेयी पीछे हट गए हैं। खबर है कि यह सीरीज टॉम हिडलेस्टन की द नाइट मैनेजर का हिंदी रीमेक है। इसके लिए मेकर्स ने मनोज बाजपेयी को हथियार डीलर रिचर्ड रोपर की भूमिका निभाने के लिए अप्रोच किया था। इस सीरीज में यह रोल ह्यूग लॉरी ने निभाया था। वहीं टॉम हिडलेस्टन ने द नाइट मैनेजर में जोनाथन पाइन का किरदार निभाया था। ऋतिक रोशन अभिनीत वेब सीरीज द नाइट मैनेजर की हिंदी रीमेक है। जिसके लिए मनोज बाजपेयी से भी बातचीत चल रही थी। लेकिन, मनोज बाजपेयी ने इस किरदार को निभाने से इनकार कर दिया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, मनोज बाजपेयी के पास डेट्स ना होने के चलते उन्होंने इस सीरीज से जुडने से इनकार कर दिया है। सूत्रों का कहना है कि मनोज सर सीरीज के लिए बातचीत कर रहे थे, लेकिन कोरोना वायरस की दूसरी लहर के कारण, उनके दो प्रोजेक्ट्स में पहले ही देरी हो गई है। वह इन दिनों उत्तराखंड में एक फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं। इसके बाद वह अपने पेंडिंग पड़े प्रोजेक्ट्स की शूटिंग शुरू करेंगे। ऐसे में उन्हें एहसास हुआ कि सीरीज के लिए उनके पास मेकर्स के अनुसार डेट नहीं होंगी। जिसके चलते उन्होंने इस प्रोजेक्ट को ना कह दिया। बता दें मनोज बाजपेयी इन दिनों द फैमिली मैन 2 को लेकर सुर्खियों में छाए हुए हैं।

डोनल बिष्ट के हुस्न ने बढ़ाया सोशल मीडिया का तापमान

मुंबई। 'एक दीवाना था', 'रूप मर्द का नया स्वरूप' और 'दिल तो हैपी है जी' जैसे टीवी शोज में अपनी शानदार ऐक्टिंग से लोगों का दिल जीतने वाली डोनल बिष्ट इन दिनों अपनी हॉट फोटोज की वजह से सोशल मीडिया का तापमान बढ़ाए हुए है। डोनल का ग्लैमरस अवतार फैन्स को काफी ज्यादा पसंद आ रहा है। डोनल ने अपने नए फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं।

डोनल बिस्ट अब तक कुछ ही टीवी शोज किए हैं, लेकिन उनकी स्टाइल किसी सुपरस्टार से कम नहीं है। डोनल सोशल मीडिया पर खासा ऐक्टिव रहती हैं और अक्सर फैन्स के साथ अपनी हॉट एंड ग्लैमरस फोटोज शेयर करती रहती हैं। टीवी सीरियल 'एक दीवाना था' से डोनल को पहचान मिली।

डोनल बिष्ट ऐक्ट्रेस बनने से पहले जर्नलिस्ट थीं और एक न्यूज चैनल में काम करती थीं। उन्होंने दूरदर्शन के शो 'चित्रहार' की भी एंकरिंग की थी, लेकिन ऐक्ट्रेस बनने का जुनून इस कदर सवार था, जिसके लिए वह रोजाना अपना आधा काम करके दिल्ली से मुंबई जाती थीं और करीब 5 से 6 ऑडिशन देती थीं। इसके बाद डोनल बिष्ट को बालाजी के शो 'कलश' के जरिए पहला ब्रेक मिला।

डोनल ने 2020 में अपनी 'मी टू' स्टोरी भी मीडिया को सुनाई थी। एक्ट्रेस ने बताया था कि साउथ फिल्म में रोल देने के बदले एक डायरेक्टर ने उन्हें साथ सोने का प्रस्ताव दिया था।

डोनल बिस्ट कहती हैं, 'मैं कोशिश करती हूं कि मैं लाइफ में हमेशा अच्छे चीजों पर फोकस करूं और नेगेटिव कॉमेंट से दूर रहूं। मेरी लाइफ, मेरी स्टाइल लोग क्या कहते हैं। इससे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता है।

डोनल वेब सीरीज 'कोल्ड ब्लड' में भी नजर आएंगी। डोनल ने बताया, 'इस वेब सीरीज में इकबाल खान हैं और साथ ही इन्द्रनील सेनगुप्ता, करणवीर मेहरा जैसे कलाकार हैं। इस वेब सीरीज की शूटिंग मसूरी में हुई है। ये एक सस्पेंस थ्रिलर है।'

डोनल बिस्ट अक्सर अपनी ग्लैमरस फोटो फैन्स के साथ शेयर करती रहती हैं। फैन्स के बीच डोनल बिस्ट की फोटोज का भी काफी क्रेज है।

डोनल बिष्ट कई बार अपने कपड़ों को लेकर सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का शिकार हो चुकी हैं। हालांकि, वह ट्रोलर्स को इग्नोर करना ज्यादा बेहतर समझती हैं। इसलिए उन्हें इन बातों से कोई फर्क नहीं पड़ता।

शशांक घोष की नेटफ्लिक्स की फिल्म से डिजिटल डेब्यू करेंगे रितेश देशमुख

मुम्बई। देश में मौजूदा हालात में डिजिटल प्लेटफॉर्म पर फिल्में या सीरीज देखने का प्रचलन बढ़ा है। हाल में कई फिल्मों को इस प्लेटफॉर्म पर अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। इसके मद्देनजर फिल्म समीक्षक और मेकर्स डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अच्छा कंटेंट बनाने में रुचि दिखा रहे हैं। अब खबर सामने आ रही है कि दिग्गज अभिनेता रितेश देशमुख नेटफ्लिक्स की फिल्म से अपना डिजिटल डेब्यू करेंगे। खबरों की मानें तो इस फिल्म को शशांक घोष निर्देशित करेंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक, रितेश शशांक की फिल्म से डिजिटल डेब्यू कर सकते हैं। शशांक ने इससे पहले सोनम कपूर की खूबसूरत (2014) और करीना कपूर की वीरे दी वेडिंग (2018) जैसी हिट फिल्मों का निर्देशन किया है। रजत अरोड़ा ने फिल्म की पटकथा लिखी है। फिल्म को प्रोड्यूस करने की जिम्मेदारी भी उनके कंधे पर है। रजन ने किक, द डर्टी पिक्चर, एक विलेन और वन्स अपॉन ए टाइम इन मुंबई जैसी फिल्मों की पटकथा लिखी है।

सूत्र की मानें तो फिल्म में रितेश के साथ एक दक्षिण भारतीय अभिनेत्री के दिखने की उम्मीद है। अभी इस फिल्म का टाइटल निर्धारित नहीं किया गया है। फिल्म की शूटिंग फरवरी में शुरू होनी थी, लेकिन लॉकडाउन के कारण इस शेड्यूल को आगे टाल दिया गया है। अब इस वेब फिल्म की शूटिंग कोरोना के कारण लगे प्रतिबंध हटने के बाद जुलाई में शुरू होने की संभावना है। यह एक सोशल कॉमेडी फिल्म है, जो 2022 में रिलीज होगी।

रितेश के वर्कफ्रंट की बात करें तो उन्होंने छत्रपति शिवाजी महाराज पर बन रही अपनी महत्वाकांक्षी पीरियड ड्रामा की तैयारी शुरू कर दी है। इस प्रोजेक्ट को सैराट के फेम नागराज मंजुले द्वारा निर्देशित किया जाएगा। बताया जा रहा है कि रितेश ने रॉनी स्क्रूवाला के बैनर तले बन रही एक और फिल्म साइन कर ली है। इस फिल्म पर काम छत्रपति शिवाजी के प्रोजेक्ट से पहले शुरू हो सकता है।

रितेश बॉलीवुड की कई सफल फिल्मों का हिस्सा रहे हैं। उन्होंने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत फिल्म तुझे मेरी कसम से की थी। रितेश की हालिया रिलीज हुई फिल्म मरजावां है, जो 2019 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में वह निगेटिव किरदार में नजर आए थे। फिल्म में रितेश के अलावा सिद्धार्थ मल्होत्रा और तारा सुतरिया भी नजर आई थीं। रितेश को बागी 3, ड्रीम गर्ल, टोटल धमाका और हाउसफुल 4 जैसी चर्चित फिल्मों में भी देखा गया है।

अपने मुंह पर हाथ लगाने से रोकने का तरीका जानें

नई दिल्ली। हम हाथ धोते हैं, घर पर रहते हैं, बाहर जाते समय तीन फीट की दूरी रखते हैं। कोरोनावायरस के प्रसार को रोकने के लिए मैं और क्या कर सकता हूं? सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि चेहरे के संपर्क को रोकने के लिए पर्याप्त नहीं किया जा रहा है। हाथ से मुंह के संपर्क को रोकने से कोरोनावायरस संक्रमण में एक बड़ा अंतर पैदा हो सकता है।

यूके में यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन में सेंटर फॉल बिहेवियर चेंज के निदेशक सुजैन मिची ने कहा कि चुनौती को आसानी से दूर किया जा सकता है। बहुत कुछ करने की तुलना में कुछ न करना कहीं अधिक कठिन है। हालांकि अपने हाथों को नियमित रूप से धोना और सामाजिक दूरी बनाए रखना आसान है, लेकिन अपने हाथों को अपने मुंह में डालना बंद करना मुश्किल हो सकता है। समाचार एजेंसी सीएनएन की एक रिपोर्ट के अनुसार, लोग विभिन्न कारणों से हाथ मिला सकते हैं। दाढ़ी की शेव करना, हावभाव या सामान्य खुजली भी हाथ से जा सकती है। चेहरे पर हाथ का स्पर्श तनाव के दौरान सहज महसूस कर सकता है। एक अध्ययन में पाया गया कि लोग प्रति घंटे 23 बार मुंह में हाथ डालते हैं।

सुजैन मिची ने इस आदत को दूर करने के लिए एक सचेत प्रयास का सुझाव दिया। अपने हाथों को हर समय कंधे के स्तर से नीचे रखें और अपने चेहरे को छूने की इच्छा का विरोध करने के लिए खुद को प्रशिक्षित करें, उन्होंने कहा।

डॉक्टर चेहरे को टी-ज़ोन कहते हैं। टी-जोन की आंख, नाक और मुंह कोरोना वायरस के संक्रमण का मुख्य मार्ग है। यह हवा में बूंदों और संक्रमित सतहों और वस्तुओं, जैसे मोबाइल फोन, कार की चाबियों, दरवाज़े के हैंडल या लिफ्ट से फैल सकता है।

यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन में स्वास्थ्य मनोविज्ञान के प्रोफेसर रॉबर्ट वेस्ट ने कहा अगर आपने कभी अपने मुंह में हाथ नहीं डाला, तो इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपने हाथ धोए हैं या नहीं। यह महत्वपूर्ण है कि अपने मुंह को न छुएं क्योंकि आपके हाथ श्लेष्मा झिल्ली के संपर्क में आ सकते हैं। यह श्लेष्मा झिल्ली वायरस के शरीर में प्रवेश करने के तरीके के रूप में कार्य करती है।

अमेरिकी चिकित्सा राहत समूह फ्लोटिंग डॉक्टर्स ने पहले ही %डोंट टच योर फेस' नाम से एक कार्यक्रम शुरू किया है, जिसमें लोगों से अपने चेहरे को छूने की शारीरिक और मानसिक आदत को तोडने का आग्रह किया गया है। फ्लोटिंग डॉक्टर हाथ देने से रोकने के तरीके के रूप में एक फैंसी सलाह दे रहे हैं। उनका कहना है कि जब लोग बाहर जाते हैं तो सिर पर छोटे-छोटे जाल लगाते हैं। मच्छरों से बचाव के लिए मच्छरदानी का इस्तेमाल किया जाता है। इसे सिर से लेकर गर्दन तक जाल से ढका जाता है। फ्लोटिंग डॉक्टर्स के संस्थापक। इस नेट का उपयोग करना आरामदायक है, बेन लेबोर्ट ने कहा। जाल का उपयोग करके दिखाना आसान है। इस जाल का प्रयोग करते समय मन को मुंह में हाथ डालने का भान होता है। सामने बाधा के कारण मुंह में हाथ कम है। यह हर जगह कम कीमत पर उपलब्ध है। संक्रमण से बचाव के लिए इस तरीके का आसानी से पालन किया जा सकता है। ऐसे भौतिक अवरोध बहुत प्रभावी होते हैं। रॉबर्ट वेस्ट ने कहा कि हथकड़ी और जाल को रोकने के लिए मास्क का इस्तेमाल किया जा सकता है। हालांकि, इसे खोलने और लगाने पर चेहरे पर अधिक हाथ छूटने का खतरा रहता है।

विशेषज्ञ रॉबर्ट वेस्ट सलाह देते हैं- यानी एक को दूसरे के खिलाफ व्यवहार करने की आदत डालनी होगी। जैसे ही आप अपना हाथ अपने मुंह में डालने की कोशिश करते हैं, आपको हाथ के विपरीत हिस्से को हटाकर उसे खरोंचना शुरू करना होगा। यह व्यवहार को दूसरी दिशा में बदल देगा। आप जो करने की कोशिश कर रहे हैं वह स्वयं को जागरूक करना है।

इस प्रकार का सीने में दर्द बड़े भय का कारण होता है

नई दिल्ली। सीने में दर्द छाती की मांसपेशियों में खिंचाव, हड्डियों की समस्या, सीने में चोट या यहां तक कि फेफड़ों की समस्याओं के कारण भी हो सकता है। विभिन्न ग्रासनली समस्याओं में भी सीने में दर्द होता है। हमारे पेट में खाना पचाने के लिए एसिड होता है। कभी-कभी जब यह एसिड अन्नप्रणाली में प्रवेश करता है, तो छाती या गला जल जाता है। यह दर्द छाती की हड्डी के नीचे महसूस किया जा सकता है।

नाराजगी के कारण होने वाला दर्द आमतौर पर खाने के बाद होता है। ऐसा दर्द कई घंटों तक रह सकता है। डर या घबराहट भी कई लोगों के सीने में दर्द का कारण बन सकता है। इस प्रकार के सीने में दर्द लगातार सांस लेने के लक्षणों की विशेषता है। ज्यादा पसीना आने से भी सीने में दर्द होता है। छाती की धड़कन दिल के काम को बढ़ा सकती है। हालांकि, अगर दिल के आसपास के किसी भी अंग में कोई समस्या है, तो इससे सीने में दर्द हो सकता है।

यह मान लेना डॉक्टर या अस्पताल का दोष नहीं है कि समस्या हृदय रोग के कारण है। लेकिन दिल की बीमारी से पीड़ित होने पर डॉक्टर या अस्पताल न जाने का मतलब है एक बड़ा खतरा बुलाना। हालांकि, दर्द हृदय रोग या हृदय रोग के कारण नहीं होता है, यह समझने का तरीका है कि हृदय रोग के बिना दर्द छाती में एक ही स्थान पर होता है। रोगी उंगली से बता सकता है कि दर्द कहां है। ऐसा दर्द छाती, गर्दन, बायें हाथ या शरीर के बायें हिस्से तक नहीं फैलता। यह दर्द आमतौर पर किसी खतरे का कारण नहीं बनता है। इसके अलावा, यदि ऐसा दर्द है, तो पहले कारण का पता लगाना चाहिए, और यदि रोगी को उस कारण के अनुसार इलाज किया जाता है, तो वसूली केवल कुछ ही क्षणों में होती है।

एटीएम से कैश निकालना हुआ महंगा

फ्री लिमिट के बाद अब देना होगा ज्यादा चार्ज

नई दिल्ली

तय सीमा के बाद एटीएम ट्रांजेक्शन के लिए अब लोगों को अपनी जेबें और ढीली करनी पड़ेगी। गौर हो कि एटीएम से कैश निकालने के लिए पहले 20 रुपये प्रति ट्रांजैक्शन देना होता था। अब यह रकम बढ़कर 21 रुपये प्रति ट्रांजैक्शन हो गया है। हालांकि, यह चार्ज केवल उन्हीं ग्राहकों को देना होगा, जो हर महीने की तय लिमिट से अधिक बार कैश निकालते हैं। भारतीय रिज़र्व बैंक ने सभी बैंकों को एटीएम विड्रॉल चार्ज बढ़ाने की अनुमति दे दी है। अब 1 जनवरी, 2022 से एटीएम से तय लिमिट से ज्यादा बार पैसे निकालने के बाद पर ग्राहकों को हर ट्रांजेश्कन पर 20 रुपये के बजाए 21 रुपये देने होंगे। हालांकि, आरबीआई ने कहा कि ग्राहकों के लिए हर महीने अपने बैंक एटीएम से से पांच फ्री ट्रांजेक्शन (वित्तीय और गैर-वित्तीय ट्रांजेक्शन सहित) की सुविधा बनी रहेगी। वे मेट्रो सिटी में दूसरे बैंक के एटीएम से तीन और नॉन- मेट्रो सिटी में पांच फ्री ट्रांजेक्शन भी कर सकेंगे। इसके अलावा बैंकों को एटीएम ट्रांजेक्शन की इंटरचेंज फीस हर फाइनेंसियल ट्रांजेक्शन 15 रुपये से बढ़ाकर 17 रुपये और नॉन-फाइनेंसियल ट्रांजेक्शन के लिए 5 से बढ़कर 6 रुपये करने की अनुमति दी गई है। आरबीआई ने कहा कि बैंकों को एटीएम लगाने की बढ़ती लागत और बैंकों/व्हाइट लेबल एटीएम ऑपरेटरों द्वारा किए गए एटीएम रखरखाव के खर्च के साथ-साथ हितधारक संस्थाओं और ग्राहक सुविधा की सहूलियत को संतुलित करने की आवश्यकता को देखते हुए शुल्क बढ़ाने की अनुमति दी गई है। जून 2019 में आरबीआई ने एटीएम शुल्क की समीक्षा के लिए इंडियन बैंक एसोसिएशन के तत्कालीन अध्यक्ष वीजी कन्नन की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया था। समिति की सिफारिशों को जुलाई 2020 में सार्वजनिक किया गया था। समिति ने एटीएम शुल्क की गणना के लिए जनसंख्या एक मेट्रिक के रूप में का उपयोग करने की सिफारिश की थी।

आरबीआई ने कहा कि एटीएम ट्रांजेक्शन के लिए इंटरचेंज शुल्क संरचना में अंतिम परिवर्तन अगस्त 2012 में किया गया था, जबकि ग्राहकों द्वारा देय शुल्कों को अंतिम बार अगस्त 2014 में संशोधित किया गया था। इस प्रकार इन चार्जेज को बदले गए काफी वक्त हो गया है।

आईएमएफ ने नि:शुल्क टीकाकरण की घोषणा का स्वागत किया

वाशिंगटन एजेन्सी अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने सबको निःशुल्क टीका और गरीबों में मुफ्त राशन के भारत सरकार की घोषणा का स्वागत किया है, लेकिन साथ ही कोविड-19 की दूसरी लहर के मद्देनजर देश का विकास अनुमान घटाने के भी संकेत दिये हैं। आईएमएफ के संचार विभाग के सदस्य गेरी राइस ने एक ऑनलाइन मीडिया ब्रीफिंग में यह बात कही। एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा, आईएमएफ सबको टीका देने की भारत सरकार की घोषणा का स्वागत करता है। साथ ही महामारी की समाज को कम कीमत चुकानी पड़े और आम लोगों को राहत मिले, इसके लिए अतिरिक्त समर्थन की भी हम तारीफ करते हैं। अर्थव्यवस्था के बारे में श्री राइस ने कहा कि कोविड-19 की दूसरी लहर और उससे जुड़े प्रतिबंधों के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था में तेज गिरावट के संकेत मिलते हैं। उन्होंने कहा, हम विश्व आर्थिक परिदृश्य के अगले महीने जारी होने वाले अपडेट में भारत के विकास अनुमान में संशोधन करेंगे। आईएमएफ ने अप्रैल में कहा था कि वित्त वर्ष 2021-22 में भारत का विकास अनुमान 12.5 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। उसके बाद भारतीय रिजर्व बैंक ने भी देश का विकास अनुमान कम करके 9.5 प्रतिशत कर दिया है। श्री राइस ने भारत को वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि वैश्विक और क्षेत्रीय सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में भारत की बड़ी हिस्सेदारी है इसलिए भारत के विकास और आर्थिक परिदृश्य का प्रभाव भी व्यापक है। इसके व्यापारिक संबंध और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला, खासकर दक्षिण एशिया के देशों के साथ, काफी मजबूत है। इस कारण इसका प्रभाव भी दूसरे देशों पर पड़ेगा।

अजय पुरी बने सीओएआई के अध्यक्ष

नई दिल्ली बिजनेस डेस्क। भारती एयरटेल के भारत और दक्षिण एशिया के मुख्य परिचालन अधिकारी अजय पुरी टेलीकॉम, इंटरनेट, टेक्नॉलॉजी एवं डिजिटल सर्विसेस कंपनियों का प्रतिनिधित्व करने वाले संगठन सीओएआई के चालू वित्त वर्ष के अध्यक्ष चुने गए हैं। सीओएआई की वार्षिक आम बैठक में यह चयन किया गया है। इसके साथ ही रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड अध्यक्ष प्रमोद कुमार मित्तल संगठन के उपाध्यक्ष बने है। श्री पुरी 2004 से भारती एयरटेल के साथ है और वो डायरेक्टर - मार्केट ऑपरेशंस एवं डायरेक्टर व सीईओ - डीटीएच सहित अनेक नेतृत्वकारी पदों पर काम कर चुके हैं। भारती एयरटेल से जुडने़ से पहले श्री पुरी कारगिल फूड्स इंडिया में बिजनेस हेड - फूड्स के रूप में काम कर चुके हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत ब्रिटिश अमेरिकन टोबैको (यूके) की सहयोगी कंपनी, वीएसटी इंडिया लिमिटेड के साथ की। श्री मित्तल को टेलीकम्युनिकेशंस उद्योग में 42 सालों का संपन्न अनुभव है। भारत के सबसे बड़े टेलीकॉम ऑपरेटर, रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड के अध्यक्ष बनने से पहले श्री मित्तल ने 37 सालों तक दूर संचार विभाग में काम किया था।

मुंबई में पेट्रोल 102 रुपये, डीजल 94 रुपये के पार

नई दिल्ली बिजनेस डेस्क। पेट्रोल-डीजल के दाम एक दिन स्थिर रहने के बाद आज फिर बढ़कर नये रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गये। देश के चार बड़े महानगरों में आज पेट्रोल 29 पैसे तक और डीजल 30 पैसे तक महंगा हुआ। इससे मुंबई में पहली बार पेट्रोल 102 रुपये और डीजल 94 रुपये के पार पहुंच गया। चेन्नई में पेट्रोल पहली बार 97 रुपये से ऊपर निकल गया। अग्रणी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 29 पैसे महंगा होकर 95.85 रुपये और डीजल 28 पैसे महंगा होकर 86.75 रुपये प्रति लीटर हो गया। गत 04 मई से अब तक 22 दिन पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाये गये हैं जबकि शेष 17 दिन कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इस दौरान दिल्ली में पेट्रोल 5.45 रुपये तथा डीजल 6.02 रुपये महंगा हो चुका है। मुंबई में पेट्रोल में 28 पैसे और डीजल में 30 पैसे की बढ़ोतरी की गई। इसके साथ ही पेट्रोल की कीमत 102.04 रुपये और डीजल की कीमत 94.15 रुपये प्रति लीटर के पार निकल गई। चेन्नई में पेट्रोल 25 पैसे महंगा होकर 97.19 रुपये और डीजल 27 पैसे महंगा होकर 91.42 रुपये प्रति लीटर के भाव बिका। कोलकाता में दोनों ईंधनों के दाम 28-28 पैसे बढ़े। वहां एक लीटर पेट्रोल 95.80 रुपये और डीजल 89.60 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया।पेट्रोल-डीजल के मूल्यों की रोजाना समीक्षा होती है और उसके आधार पर हर दिन सुबह छह बजे से नयी कीमतें लागू की जाती हैं।

कोरोना की मार, वाहन पंजीकरण की सुस्त रफ्तार

नई दिल्ली ,एजन्सी। कोरोना की दूसरी लहर का प्रसार रोकने के लिए विभिन्न राज्यों द्वारा लगाए गए स्थानीय लॉकडाउन की वजह से मई में सभी तरह के वाहनों के पंजीकरण में भारी कमी आई है। वाहन डीलरों के संगठन फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के मासिक पंजीकरण (रिटेल) आंकड़ों के अनुसार पिछले महीने वाहनों की बिक्री अप्रैल की तुलना में तो कम थी ही, मई 2019 के मुकाबले भी बिक्री में कमी आई है। इन आंकड़ों की तुलना पिछले साल के मई महीने से नहीं की जासकती क्योंकि कोरोना की पहली लहर के दौरान 22 मार्च से 18 मई तक देश भर में लॉकडाउन था। देशव्यापी लॉकडाउन के कारण डीलरशिप पर असर पड़ा था लेकिन दूसरी लहर में संक्रमण बहुत अधिक फैलने के कारण आम जनजीवन प्रभावित हुआ। इस कारण कई लोगों ने डीलरशिप से बात कर बुकिंग रद्द कराईं। फाडा के अध्यक्ष विंकेश गुलाटी ने कहा, हम खुशियां बेचते हैं और कार खरीदना जश्न का मौका होता है। लेकिन कोरोना की वजह से कई लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है। कई परिवारों में साल भर कोई उत्सव नहीं होगा। अप्रैल की तुलना में मई में वाहनों की कुल खुदरा बिक्री में 54.79 फीसदी की कमी आई, वहीं मई, 2019 की तुलना में बिक्री 70.69 फीसदी घटी है। पिछले साल अप्रैल और मई को छोड़ दें तो मई 2021 में वाहनों का पंजीकरण सबसे कम रहा है। कोरोना संक्रमण के मामले कम होने और राज्यों द्वारा धीरे-धीरे पाबंदियां हटाए जाने से वाहन विक्रेताओं की बिक्री में सुधार देखा जा रहा है। फाडा ने कहा, %रुकी हुई मांग आने से जून के शुरुआती 9 दिन में उम्मीद से बेहतर बिक्री हुई। मांग ऐसी ही बनी रही तो जून में वाहनों की बिक्री 2919 के जून महीने के बराबर रह सकती है। % हालांकि कुल मांग में सुधार धीमा रह सकता है क्योंकि ग्रामीण बाजार कोविड के बाद के असर से उबरने के लिए जूझ रहा है। ऐसे में तीव्र वृद्धि की संभावना कम ही है। भारतीय रिजर्व बैंक ने पिछले हफ्ते कहा था कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के सकल घरेलू उत्पाद के वृद्धि अनुमान में संशोधन किया जा सकता है। इससे भी बिक्री बढने़ की उम्मीद पर सवाल खड़े हुए हैं। फाडा ने सभी वाहन विनिर्माताओं से राहत की अपील की है। वाहन विनिर्माताओं ने पिछले साल की तरह इस बार डीलरों के लिए वित्तीय राहत की घोषणा नहीं की है। गिने-चुने वाहन विनिर्माताओं (टाटा मोटर्स - वाणिज्यिक वाहन, रेनो, भारत बेंज और होंडा मोटरसाइकल ऐंड स्कूटर इंडिया) ने अपने चैनल पार्टनर्स और अन्य के लिए वित्तीय मदद का ऐलान किया है।रिलायंस सिक्योरिटीज में शोध प्रमुख मितुल शाह के अनुसार खुदरा बिक्री और पंजीकरण कम होने से डीलरों के पास वाहनों का स्टॉक बढने़ का संकेत मिलता है क्योंकि मई में थोक आपूर्ति ज्यादा रही है। शाह ने कहा, %कोविड की दूसरी लहर और स्थानीय लॉकडाउन के कारण मई के पहले 15 दिनों में खुदरा बिक्री प्रभावित हुई है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था में नरमी के भी संकेत दिख रहे हैं। प्रमुख कलपुर्जों की आपूर्ति कम होने से यात्री वाहनों के उत्पादन पर भी असर पड़ा है।% कोविड-19 की तीसरी लहर की आशंका से भी ग्राहक हाथ खींचकर चल रहे हैं। लेकिन आर्थिक परिदृश्य में अब थोड़ा सुधार होता दिख रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि वित्त वर्ष 2022 की दूसरी छमाही में अर्थव्यवस्था के साथ ही वाहनों की बिक्री में भी मजबूत सुधार आ सकती है। फाडा ने रिजर्व बैंक से वाहन डीलरों को ऋण मॉरेटोरियम देने और लॉकडाउन की अवधि के बराबर कर्ज पुनर्भुगतान में रियायत देने की मांग की है।

काश मेरे पापा यह देखने के लिए होते, टीम इंडिया में सिलेक्ट होने पर भावुक हुए चेतन सकारिया

नयी दिल्ली ,एजेन्सी। जुलाई में श्रीलंका के खिलाफ होने वाली लिमिटेड ओवर सीरीज के लिए बीसीसीआई ने गुरुवार को भारतीय टीम का ऐलान कर दिया। विराट कोहली, रोहित शर्मा की गैरमौजूदगी में शिखर धवन को टीम की कमान सौंपी गई है। वहीं, तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को टीम का उपकप्तान चुना गया है। आईपीएल में दमदार प्रदर्शन करने वाले कई युवा खिलाड़ियों को भी इस दौरे पर मौका दिया गया है। टीम में सबसे चौंकाने वाला नाम रहा चेतन सकारिया का, जिन्होंने इसी साल आईपीएल में अपना डेब्यू किया था। टीम इंडिया में अपने सिलेक्शन पर चेतन भावुक नजर आए और उन्होंने कहा कि वह भारत के लिए खेले यह उनके पापा का सपना था। इंडियन एक्सप्रेस के साथ बातचीत करते हुए चेतन सकारिया ने कहा, मेरी यह इच्छा थी कि यह सब देखने के लिए मेरा पापा यहां पर होते। वह मुझे भारत के लिए खेलते हुए देखना चाहते थे। मैं आज उनको बहुत ज्यादा मिस कर रहा हूं। भगवान ने मुझे इस एक साल के अंदर कई उतार-चढ़ाव दिखाए हैं। यह अबतक एक काफी इमोशनल राइड रही है। मैंने अपने भाई को खोया था और उसके एक महीने के बाद ही मुझे आईपीएल का एक बड़ा कॉन्ट्रैक्ट मिल गया था। आखिरी महीने मैंने अपने पिता को खोया और भगवान ने मुझे टीम इंडिया में सिलेक्ट करवा दिया। मैं सात दिनों तक अस्पताल में रहा था, जब मेरे पिता जिंदगी से लड़ रहे थे। उस कमी को कोई पूरा नहीं कर सकता। यह मेरे स्वर्गीय पिता और मेरी मां के लिए है, जिन्होंने मुझे क्रिकेट को जारी रखने की इजाजत दी।%चेतन सकारिया ने आईपीएल 2021 में राजस्थान रॉयल्स की तरफ से खेलते हुए काफी प्रभावित किया था। चेतन ने 7 मैचों में 7 विकेट झटके थे, उस दौरान उनका इकॉनमी भी 8.22 का रहा था। चेतन ने डेथ ओवरों में काफी अच्छी गेंदबाजी की और महेंद्र सिंह धोनी जैसे बल्लेबाजों का विकेट अपने नाम किया था।

द हंड्रेड में खेलेंगी हरमनप्रीत कौर स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा

नयी दिल्ली। द हंड्रेड ' टूर्नामेंट के उद्घाटन सत्र में भारत की पांच महिला क्रिकेटर शामिल होंगी। हरमनप्रीत कौर और स्मृति मंधाना जैसे सीनियर खिलाडियों के अलावा टी-20 की नंबर एक बल्लेबाज शेफाली वर्मा, ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा और जेमिमा रोड्रिग्स यह टूर्नामेंट खेलेंगी। भारतीय महिला टी-20 टीम की कप्तान हरमनप्रीत जहां मैनचेस्टर ओरिजिनल का हिस्सा होंगी तो वहीं स्मृति मंधाना साउदर्न ब्रेव की तरफ से खेलेंगी। दीप्ति लंदन स्पिरिट फ्रेंचाइजी का प्रतिनिधित्व करेंगी, जबकि रॉड्रिक्स नॉर्दन सुपरचार्जर्स के लिए खेलेंगी। शेफाली को बर्मिंघम फीनिक्स ने साइन किया है। वह कीवी ऑल राउंडर सोफी डिवाइन की जगह लेंगी, जो तार्किक समस्याओं के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गई हैं। द हंड्रेड वूमेन प्रतियोगिता की प्रमुख बेथ बैरेट-वाइल्ड ने इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) की अब तक की सबसे महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए भारतीय स्टार महिला खिलाडियों को टूर्नामेंट में लाने में सक्षम होने पर खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा, भारतीय खिलाडियों का एक बेहद रोमांचक समूह है और वे प्रतियोगिता में बहुत कुछ लाएंगे। मैं 21 जुलाई और पूरी प्रतियोगिता का इंतजार नहीं कर सकती और प्रशंसकों के लिए इन विश्व स्तरीय खिलाडियों को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते देखने का इंतजार नहीं कर सकती। हरमनप्रीत कौर ने कहा, यह बहुत रोमांचक है कि मुझे द हंड्रेड के पहले सत्र में खेलने का मौका मिलेगा। इतने बड़े मैदान पर विशेष रूप से महिलाओं के मैच के साथ इतिहास बनाना खास होगा। हम भारत में कुछ दर्शकों की बड़ी तादाद के सामने खेले हैं और खिलाडियों के लिए यह हमेशा एक अच्छा अनुभव है।

श्रीलंका दौरे में शिखर संभालेंगे कप्तानी, भुवनेश्वर उपकप्तान

मुंबई, एजेन्सी। बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज शिखर धवन आगामी श्रीलंका दौरे में भारत की सीमित ओवरों की टीम की कप्तानी संभालेंगे जबकि तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार उपकप्तान होंगे। भारत की टेस्ट टीम आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल और उसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए इस समय इंग्लैंड में है इसलिए नए खिलाडियों को आजमाने का यह अच्छा मौका था। भारत को श्रीलंका के सीमित ओवरों के इस दौरे में तीन वनडे और तीन टी 20 मैच खेलने हैं। राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के प्रमुख एवं पूर्व भारतीय कप्तान राहुल द्रविड़ मुख्य कोच के तौर पर भारत ए टीम के साथ जुलाई में श्रीलंका दौरे पर जाएंगे। टीम के कोचिंग स्टाफ में भी उनके एनसीए के साथी सदस्य शामिल होंगे। देवदत्त पडिकल, रुतुराज गायकवाड़, नीतीश राणा और चेतन सकारिया को आईपीएल 14 में उनके अच्छे प्रदर्शन के कारण भारतीय टीम में चुना गया है। कर्नाटक और चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाड़ी कृष्णप्पा गौतम भी चुने गए हैं। पृथ्वी शॉ, मनीष पांडेय और संजू सैमसन भी टीम में चुने गए हैं। शॉ भारतीय टीम से हटाए जाने के बाद शानदार फॉर्म में हैं और धवन के साथ ओपनिंग करने के लिए तैयार हैं। तमिलनाडु और कोलकाता नाईट राइडर्स के रहस्यमय स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को इस दौरे के लिए टीम में चुना गया है। टीम ⁻ शिखर धवन (कप्तान), पृथ्वी शॉ, देवदत्त पडीक्कल, रुतुराज गायकवाड, सूर्यकुमार यादव , मनीष पांडेय, हार्दिक पांड्या, नितीश राणा , इशान किशन (विकेटकीपर), संजू सेमसन (विकेटकीपर), युजवेंद्र चहल , राहुल चाहर , के गौतम , क्रुणाल पांड्या , कुलदीप यादव , वरुण चक्रवर्ती, भुवनेश्वर कुमार (उपकप्तान), दीपक चाहर , नवदीप सैनी, चेतन सकारिया , नेट गेंदबाज : इशान पोरेल , संदीप वारियर, अर्शदीप सिंह, साई किशोर , सिमरजीत सिंह

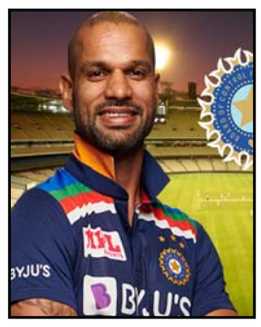

हमारे पास टीम में अनुभवी और युवाओं का अच्छा मिश्रण है : लिलिमा मिंज

बेंगलुरु भारतीय महिला हॉकी टीम की मिडफील्डर लिलिमा मिंज का मानना है कि वर्तमान में टोक्यो ओलंपिक की तैयारी कर रहे ओलंपिक कोर ग्रुप में अनुभवी और युवा खिलाडियों का अच्छा मिश्रण है। लिलिमा के मुताबिक मुश्किल परिस्थितियों में टीम को दिशा देने के लिए अनुभवी खिलाड़ी महत्वपूर्ण होते हैं, जबकि युवा खिलाड़ी टीम में ऊर्जावान गतिशीलता जोडने़ के लिए समान रूप से महत्वपूर्ण होते हैं। 27 वर्षीय मिडफील्डर ने कहा, कई नए और युवा खिलाड़ी टीम में एक नया दृष्टिकोण और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा लेकर आये हैं। अंतिम टीम में जगह बनाने के लिए अच्छी प्रतिस्पर्धा है और अगर मुझे टीम में जगह सुरक्षित करनी है तो कड़ी मेहनत करनी होगी और खुद को साबित करना होगा। इससे मुझे अच्छा प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलती है, क्योंकि ओलंपिक में खेलना प्रत्येक खिलाड़ी का सपना होता है और मैं जानती हूं कि हमारे सभी खिलाड़ी ऐसा कर रहे हैं। लिलिमा ने कहा, ओलंपिक कोर ग्रुप के राष्ट्रीय शिविर में अनुभवी खिलाडियों का एक बहुत ही अच्छा मिश्रण है, जिन्होंने भारत के लिए पहले कई अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं और युवा खिलाडियों में खुद को उच्च स्तर पर साबित करने की भूख और सही दिशा है। टीम में ऐसा संतुलन युवा खिलाडियों को सीनियर सदस्यों का मार्गदर्शन लेने की अनुमति देता है जो जानते हैं कि पहली बार ओलंपिक स्तर पर खेलना कैसा होता है। उन्होंने मौजूदा राष्ट्रीय शिविर और 2016 में रियो ओलंपिक खेलों में गई टीम के बीच समानता को लेकर कहा, खिलाडियों का एक कोर समूह होना मददगार है, जिसने पहले ओलंपिक जैसे अवसर का अनुभव किया हो। अच्छी बात यह है कि 2016 ओलंपिक टीम के कई खिलाड़ी इस शिविर में मौजूद हैं। कभी-कभी खिलाड़ी ओलंपिक जैसे बड़े अवसर पर अभिभूत हो सकते हैं।

मॉर्गन और मैकुलम को पुराने ट्वीट्स को लेकर केकेआर से पड़ सकती है फटकार

कोलकाता ,एजेन्सी। आईपीएल के कुछ दिग्गज विदेशी खिलाडियों की ओर से बीते कुछ समय पहले किए गए ट्वीट्स उनके लिए परेशान का सबब बन सकते हैं। समझा जाता है कि इयोन मोर्गन और ब्रेंडनमैकुलम को उनकी आईपीएल फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से फटकार पड़ सकती है, क्योंकि यह सामने आया है कि मोर्गन समेत दो अंग्रेजी खिलाडियों और मैकुलम ने ट्वीट के जरिए भारतीय लहजे का मजाक उड़ाया था। जानकारी के मुताबिक 2018 के ट्वीटर पर एक-दूसरे को जवाब देते हुउ इंग्लैंड की व्हाइट-बॉल टीम के कप्तान मॉर्गन और इंग्लैंड के विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर ने भारतीय प्रशंसकों का मजाक उड़ाने के लिए सर शब्द का इस्तेमाल किया था। बाद में दोनों मैकुलम के साथ मिल गए थे। इसमें शामिल कुछ लोगों ने जाहिर तौर पर ट्वीट्स को हटा दिया है, लेकिन उनके यह ट्वीट्स के स्क्रीनशॉट पहले ही सामने आ चुके हैं। केकेआर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) वेंकी मैसूर ने कहा, हमें इस समय इस मामले की पर्याप्त जानकारी नहीं है, जिससे हम इस पर कोई टिप्पणी कर सकें। हमें किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले सभी तथ्यों को इकट्ठा करने की प्रक्रिया पूरी होने का इंतजार करना चाहिए।

पटियाला में 21 जून को होगा इंडियन ग्रां प्री का चौथा राउंड

नयी दिल्ली ,एजेन्सी। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई)ने इंडियन ग्रां प्री का चौथा राउंड 21 जून को एनआईएस पटियाला में कराने की घोषणा की है। एएफआई ने यह फैसला भारतीय एथलीटों को अतिरिक्त प्रतियोगिता उपलब्ध कराने के उद्देश्य के साथ किया है क्योंकि 40 सदस्यीय राष्ट्रीय टीम ने इस महीने बाद में बिश्केक (किर्गिजिस्तान) में टी कोल्पाकोवा अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता तथा अल्माटी (कजाखस्तान)में कोसानोव मेमोरियल में उन देशों में बदलते चरंटीन नियमों के कारण हिस्सा नहीं लेने का फैसला किया है।

कंचन उजाला
हिंदी दैनिक
स्वामी नमोकंचन कार्पोरेट सर्विसेस (एल.एल.पी) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक कंचन सोलंकी द्वारा उमाकान्ती ऑफसेट प्रेस, ग्राम डेहवा पोस्ट मोहनलाल गंज लखनऊ से मुद्रित एवं 61/18 चुटकी भण्डार हुसैनगंज लखनऊ से प्रकाशित।
संपादक- कंचन सोलंकी
RNI No : UPHIN/2019/79194
Mob: 9453694257
Email: kanchansolanki397@gmail.com

नोटः समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारो एवं लेखों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही। समस्त विवादो का निस्तारण लखनऊ न्यायालय के अधीन होगा।